सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 05, नई दिल्ली । सोमवार, 18 मार्च 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जीवन में संघर्ष जितना कठिन होगा सफलता उतनी ही ऊंची और शानदार होगी।

03 'केजरीवाल पढ़े-लिखे तो हैं, लेकिन उनका ज्ञान जीरो है'

06 डर कर काम करता है सरकारी तंत्र

08 भारत में इन जगाहों पर खेली जाती है विश्व प्रसिद्ध होली...

दिल्ली मेट्रो फेज-4 पर नया अपडेट, स्टेशनों पर लगेंगे सोलर पैनल; डीएमआरसी ने बनाया ये प्लान

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने Delhi Metro Phase IV को लेकर नया अपडेट दिया है। डीएमआरसी ने बिजली की बचत के लिए खास प्लान तैयार किया है। इसके तहत फेज चार के निर्माणाधीन कॉरिडोर के एलिवेटेड मेट्रो स्टेशनों पर सौर ऊर्जा के इस्तेमाल के लिए सोलर पैनल लगेंगे। फेज चार में तीन कॉरिडोर निर्माणाधीन है। जिसकी कुल लंबाई 65 .20 किलोमीटर होगी और 45 स्टेशन होंगे।

- फेज चार के मेट्रो स्टेशनों पर 13.68 करोड़ की लागत से लगेंगे सोलर पैनल
- मार्च 2026 तक बनकर तैयार होंगे फेज चार के ये कॉरिडोर
- मेट्रो परिचालन में भी हो रहा सौर ऊर्जा का इस्तेमाल
- 65 .20 किलोमीटर होगी कुल लंबाई

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) बिजली की बचत के लिए सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने में जुटा हुआ है। इसी क्रम में फेज चार (Delhi Metro Phase IV) के निर्माणाधीन कॉरिडोर के एलिवेटेड मेट्रो स्टेशनों पर सौर ऊर्जा के इस्तेमाल के लिए सोलर पैनल लगाए जाएंगे। इसके लिए डीएमआरसी ने प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इसके तहत 13.68 करोड़ की लागत से फेज चार के 27 स्टेशनों के छत पर सोलर पैनल लगाया जाएगा। जिससे 3.5 मेगावाट बिजली उत्पन्न होगी। मौजूदा समय में डीएमआरसी ने 142 जगहों पर लगे सोलर पैनल से प्रतिदिन 50 मेगावाट बिजली उत्पन्न करता है। ये सोलर पैनल विभिन्न एलिवेटेड मेट्रो स्टेशनों व मेट्रो डिपो में लगाए गए हैं।

मेट्रो परिचालन में भी हो रहा सौर ऊर्जा का इस्तेमाल

इससे प्रति डीएमआरसी रीवा सोलर पावर प्लांट से करीब 120 मेगावाट बिजली लेता है। इस तरह डीएमआरसी मेट्रो में करीब 35 प्रतिशत बिजली की जरूरतें सौर ऊर्जा से पूरा कर रहा है। सौर ऊर्जा का इस्तेमाल मेट्रो के परिचालन में भी हो रहा है। ताकि मेट्रो के परिचालन का खर्च कम हो सके।

65.20 किलोमीटर होगी कुल लंबाई

इसी क्रम में डीएमआरसी ने फेज चार के निर्माणाधीन स्टेशनों पर भी सोलर पैनल लगाने की पहल की है। फेज चार में तीन कॉरिडोर निर्माणाधीन है। जिसकी कुल लंबाई 65.20 किलोमीटर होगी और 45 स्टेशन होंगे। जिसमें से 27 एलिवेटेड स्टेशन होंगे।

इन एलिवेटेड स्टेशनों पर सोलर पैनल लगाए जाऐंगे। फेज चार के ये कॉरिडोर मार्च 2026 तक बनकर तैयार होंगे। स्टेशनों पर सोलर पैनल लगाने वाली एजेंसी 25 वर्ष तक इसके रखरखाव की जिम्मेदारी भी संभालेगी।

दिल्ली में बनेंगी तीन हजार नई सड़कें, आवाजाही होगी आसान

महापौर ने कहा कि तीन हजार नई सड़कों का निगम द्वारा निर्माण कराया जाएगा। अभी तक सीएम सड़क योजना से सड़कें-गलियां बनती थीं लेकिन पहली बार महापौर के फंड से इन सड़कों का निर्माण किया जाएगा। महापौर ने कहा कि भाजपा 15 साल तक निगम की सत्ता में रही लेकिन कोई काम नहीं किया। इतना ही नहीं स्थायी समिति का गठन नहीं होने दिया।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले महापौर डॉ. शैली ओबेरॉय ने सड़कों को सुधारने की घोषणा की है। चुनाव आचार संहिता लागू होने से पहले आप कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए महापौर ने कहा कि तीन हजार नई सड़कों का निगम द्वारा निर्माण कराया जाएगा। अभी तक सीएम सड़क योजना से सड़कें-गलियां बनती थीं, लेकिन पहली बार महापौर के फंड से इन सड़कों का निर्माण किया जाएगा।

महापौर ने बताया कि निगम के बजट में एक हजार करोड़ रुपये का बजट दिल्ली में सड़कों के निर्माण के लिए नियत किया गया था। इस एक हजार करोड़ और 500 करोड़ के महापौर फंड से पूरी दिल्ली में तीन हजार सड़कों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली की तमाम गलियां, फ़्रैंट लेन, बैक लेन बनाई जाएंगी और किसी भी सड़क पर गड्ढे नजर नहीं आएंगे।

महापौर ने कहा कि अपने एक वर्ष के कार्यकाल में हमने नए स्कूल, पार्क, मेटरनिटी सेंटर, पार्किंग स्थल बनाए और कई का शिलान्यास किया। हमने निगम कर्मचारियों को पक्का करने की प्रक्रिया शुरू की। साथ ही नए जाब के अवसर भी शुरू किए हैं। महापौर ने कहा कि भाजपा 15 साल तक निगम की सत्ता में रही, लेकिन कोई काम नहीं किया। इतना ही नहीं स्थायी समिति का गठन नहीं होने दिया। निगम सदन को भी नहीं चलने दिया।

ये सड़कें सुधरेंगी

प्रेमबाड़ी अंडरपास-पंजाबी बाग फ्लाईओवर रिंग रोड
मुकरबा चौक-मधुबन चौक आउटर रिंग रोड
विश्राम चौक-राजीव गांधी कैंसर इंस्टीटयूट छोटू राम मार्ग
भैरो मार्ग-आश्रम रिंग रोड
जेएलएन स्टेडियम-एम्स बारापुला एलिवेटेड रोड
मोदी मिल-चिराग दिल्ली आउटर रिंग रोड
मथुरा रोड
महरौली- महिपालपुर रोड
मुकरबा चौक-बुराड़ी फ्लाईओवर आउटर रिंग रोड
खेड़ा कलां-होलंबी कलां मार्ग
गदोक मार्ग नजफगढ़ रोड
गुरु विरजानंद मार्ग
गुरु गोलवलकर मार्ग
मुंडका-टिकरी बॉर्डर रोहतक रोड
नांगलोई चौक-रिशाल गार्डेन नजफगढ़ नांगलोई हैं

71 सड़कों की सूरत बदलने की तैयारी में है पीडब्ल्यूडी

दिल्ली सरकार 100 किलोमीटर से अधिक लंबी 71 सड़कों को बेहतर बनाएगी। इसमें ज्यादातर सड़कें ऐसी हैं, जिनकी रिकार्पेटिंग व सुदृढ़ीकरण का काम आखिरी बार वर्ष 2012 से 19 के बीच किया गया था। कई ऐसी सड़कों को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया है, जिन पर काम लंबे समय से अटका हुआ था। कई सड़कों के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं।

गत दिनों पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने इसे लेकर बैठक की और सड़कों को बेहतर बनाने के निर्देश दिए हैं। सड़कों पर काम प्रायोरिटी-एक व प्रायोरिटी-दो में बांटकर किया जाएगा। दिल्ली में टूटी व ऊबड़- खाबड़ या कमजोर हो चुकी सड़कें बननी शुरू होंगी। देश की राजधानी होने के बाद भी कई इलाकों में सड़कों की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है।

लोक निर्माण विभाग सड़कों को लेकर अपनी योजना में बदलाव करते हुए सड़कों को मजबूत, सुंदर और सुरक्षित बनाने के लिए छोटे-छोटे टेंडर लगाने की योजना पर काम कर रहा है। पीडब्ल्यूडी अब नई योजना के तहत सड़कों के लिए जोन स्तर पर टेंडर प्रक्रिया में है। वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार अगर टेंडर का काम पूरा किया जा रहा है, तो सड़कों का निर्माण कराया जा सकता है।

लोकसभा चुनाव में हार के डर से कीं घोषणाएं

राजा इकबाल दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष राजा इकबाल सिंह ने 1500 करोड़ की लागत से तीन हजार सड़कों के निर्माण के दावे को चुनावी घोषणा करार दिया। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि महापौर डॉ. शैली ओबेरॉय को अच्छी तरह पता है कि दिल्ली की सातों सीटों पर आप और कांग्रेस के प्रत्याशियों की बुरी तरह हार होने जा रही है। इसलिए महापौर चुनाव से पहले यह घोषणा कर रही हैं।

राजा इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली नगर निगम चुनाव से पहले दस गारंटी की थी, लेकिन एक भी गारंटी अब तक पूरी नहीं हुई है। राजधानी में सड़कों की स्थिति खराब है। ऐसे में लोग इससे काफी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि महापौर की यह घोषणा चुनावी है, क्योंकि नगर निगम ने इसकी कोई मंजूरी अभी तक नहीं दी है। जनता सब समझती है।

दिल्ली में ऑटो मालिक हो रहे परेशान पर परेशानी के लिए समाधान देने को नही है तैयार परिवहन विभाग में कार्यरत आला अधिकारी

संजय बाटला

नईदिल्ली। दिल्ली में आटो मालिक जिनके आटो की निर्धारित समय सीमा समाप्त हो चुकी है और अपने निर्धारित समय सीमा समाप्त कर चुके आटो के स्थान पर नया आटो खरीद कर अपने और अपने परिवार का भरण पोषण करना चाहता है और पुराने आटो के स्थान पर नया आटो लाने के लिए मोटर वाहन नियम के अंर्तगत आनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी करने के बाद भी परिवहन विभाग और आटो शाखा के आला अधिकारी विशेष परिवहन आयुक्त शहजाद आलम के आदेश और दिशा निर्देश के इंतजार में परेशान हैं। आटो शाखा के अधिकारी के कथन अनुसार आटो मालिक द्वारा अपने आटो के स्थान पर नए आटो को लाने के लिए जो ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की गई है उसको उनके द्वारा समय सीमा में ही विशेष परिवहन आयुक्त के पास आदेश/ दिशा निर्देश के लिए भेज दिया गया था पर अभी तक हमे को दिशा निर्देश नही प्राप्त हुए जिस कारण हम नया आटो लाने के लिए आनलाइन रिप्लेसमेंट स्लिप जारी नही कर सकते। इस कारण अनगिनत आटो मालिक अपने निर्धारित समय सीमा समाप्त कर चुके आटो की जगह न आटो लाने में असमर्थ हैं और आटो मालिक होने के बावजूद दूसरो के आटो को किराए पर लेकर चलाने को मजबूर हो रहे हैं क्योंकि अपने और अपने परिवार का भरण पोषण तो सिर्फ आटो चलाकर ही करा जा सकता है।

दिल्ली ट्रैफिक: 4 किमी. का सफर तय करने में लग रहे 50 मिनट, मथुरा रोड पर क्यों भीषण जाम में फंस रहे लोग?

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली। आश्रम चौक से मथुरा रोड पर दिल्ली जल बोर्ड के एसटीपी प्लांट तक शनिवार को भीषण जाम लग गया। वाहन चालकों को लगभग सवा चार किलोमीटर का सफर तय करने में 50 मिनट लग गए। इससे आउटर रिंग रोड पर दिनभर वाहनों के पहिये थमे रहे।

एक महीने से टूटी हुई थी सड़क

मथुरा रोड पर दिल्ली जल बोर्ड के एसटीपी प्लांट के पास पिछले करीब एक महीने से सड़क टूटी हुई थी। इससे प्रतिदिन जाम की स्थिति बन जाती थी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की तरफ से शनिवार सुबह करीब साढ़े दस बजे सड़क के आधे हिस्से को खोद दिया गया। इसके बाद यहां पर सड़क बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया।

बेहद धीमा ट्रैफिक

सड़क का आधा हिस्सा खोदे जाने और उस पर काम शुरू होने की वजह से आश्रम से लेकर मथुरा रोड स्थित एसटीपी प्लांट तक भीषण जाम लग गया। रोड पर 11 बजे तक तो यातायात बेहद धीमा हो गया। इसके बाद आश्रम चौक तक वाहनों की कतार लग गई।

वाहन चालक दिनभर जाम में फंसे रहे। एसटीपी प्लांट के सामने जिस सड़क की मरम्मत करने का काम किया जा रहा था, वह मात्र 70 मीटर की थी। इस सड़क को बनाने का काम सुबह करीब साढ़े दस बजे शुरू कर दिया गया था। हालत यह रही कि देर शाम तक काम को पूरा नहीं किया गया। इसी वजह से रात तक लोगों को जाम से जूझना पड़ा।

मथुरा रोड पर पीडब्ल्यूडी की तरफ से सड़क बनाने के काम के बारे में जानकारी नहीं है। इसके बारे में पता किया जाएगा।

- मनोज कुमार, मुख्य अभियंता, दक्षिणी जोन पीडब्ल्यूडी

आउटर रिंग रोड पर लगी वाहनों की लंबी लाइन

मथुरा रोड पर जाम लगने से आउटर रिंग रोड पर दिनभर वाहनों की लाइन लगी रही। डीएनडी और सराय काले खां से आने वाले वाहन चालक, जिन्हें फरीदाबाद जाना था, वह दिनभर जाम में फंसे रहे। इसके अलावा जिन लोगों को नोएडा जाना था, वह भी जाम में फंस गए।

दिनभर लोग रहे परेशान, पुलिस नहीं आई नजर

हैरत की बात यह रही कि वाहन चालकों और सफर करने वालों को दिनभर जाम से जूझना पड़ा, लेकिन इस दौरान आश्रम से लेकर मथुरा रोड एसटीपी प्लांट तक किसी भी जगह यातायात पुलिस के कर्मी नजर नहीं आए। पूरे रास्ते में किसी भी जगह पुलिस ने जाम को खुलवाने का प्रयास भी नहीं किया।

मथुरा रोड पर निर्माण कार्य चल रहा था। इस वजह से यातायात बाधित हो गया था। इसे लेकर इंटरनेट मीडिया पर एडवाइजरी जारी की गई थी।

- चंदर कुमार सिंह, पुलिस उपायुक्त यातायात, दक्षिण दिल्ली

छह महीने के लिए बंद रहेगा रोहतक रोड जाने वाला रास्ता, ये रूट करें फॉलो; पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

दिल्ली मेट्रो के निर्माण कार्य के चलते बाहरी रिंग रोड पर पीडब्ल्यूडी की ओर से काम किया जाना है। रविवार से छह महीने के लिए फ्लाईओवर से दाएं तरफ लेकर रोहतक रोड की ओर जाने वाला रास्ता बंद रहेगा। यातायात पुलिस ने इसको लेकर लोगों से दूसरे रास्तों का इस्तेमाल कर अपने गंतव्य तक पहुंचने की अपील की है।

दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के निर्माण कार्य के चलते बाहरी रिंग रोड पर पीडब्ल्यूडी की ओर से काम किया जाना है। रविवार से छह महीने के लिए फ्लाईओवर से दाएं तरफ लेकर रोहतक रोड की ओर जाने वाला रास्ता बंद रहेगा। यातायात पुलिस ने इसको लेकर लोगों से दूसरे रास्तों का इस्तेमाल कर अपने गंतव्य तक पहुंचने की अपील की है।

पुलिस की ओर से जारी एडवाइजरी के अनुसार, विकासपुरी की तरफ से आने वाले वाहन चालक भैरो एनक्लेव से साईं बाबा मंदिर रोड से होते हुए सांई राम मंदिर तक जाएं।

मंगोलपुरी फ्लाईओवर से यू-टर्न लेकर पीरागढ़ी चौक से जाएं

इसके बाद संत दुरबलनाथ मार्ग (ओल्ड पीवीसी मार्केट) से होते हुए उद्योग नगर मेट्रो और न्यू रोहतक रोड नांगलोई की ओर जाएं। वहीं, विकासपुरी की तरफ से आने व पंजाबी बाग की ओर जाने वाले लोग पीरागढ़ी फ्लाईओवर से सीधे जाएं।

इसके बाद मंगोलपुरी फ्लाईओवर से यू टर्न लेकर पीरागढ़ी चौक से जा सकते हैं। इसके अलावा भौरो एनक्लेव से ज्वाला हेड़ी की ओर जाने के लिए दाएं तरफ जाएं। वहां से बाबा रामदेव मार्ग से होते हुए न्यू रोहतक रोड़ पर पहुंचे व दाएं तरफ से पंजाबी बाग जाएं।

पंजाबी बाग की तरफ जाने वाले वाहन चालक पीरागढ़ी फ्लाईओवर से यू-टर्न लेकर मंगोलपुरी फ्लाईओवर से पीरागढ़ी चौक से होते हुए पंजाबी बाग जाएं।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

राजधानी के दो हजार घरों का क्या होगा? दिल्ली-अमृतसर हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की जद में आ रहे ये दो गांव

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली और अमृतसर के बीच की दूरी कम से कम समय में हो इस उद्देश्य से प्रस्तावित हाई स्पीड रेलवे लाइन की लंबाई करीब 453 किलोमीटर निर्धारित की गई है। इस पूरी परियोजना का क्रियान्वयन नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जाना है लेकिन दिल्ली-अमृतसर हाई स्पीड रेल लाइन की जद में द्वारका के धूलसिरस व बामनौली गांव के दो हजार घर आ रहे हैं।

पश्चिमी दिल्ली। द्वारका स्थित धूलसिरस व बामनौली गांव में दिल्ली से अमृतसर के बीच प्रस्तावित हाई स्पीड रेल का स्टेशन बनना है। प्रस्तावित स्टेशन को जिस नक्शे में दिखाया गया है, उसकी जद में दोनों गांव के लाल डोरे में शामिल कई घर आ रहे हैं। नक्शे में जो क्षेत्र दिखाया गया है, उसके अनुसार दोनों गांव के करीब दो हजार घर इसकी जद में आएंगे।

जब यह बात गांव वालों को पता चली तो उन्होंने इस परियोजना से जुड़े तमाम अधिकारियों का दरवाजा खटखटाया। अच्छी बात यह है कि अब यहां प्रस्तावित स्टेशन के लिए नई जगह की तलाश हो रही है। कोशिश इस बात की हो रही है कि स्टेशन की जद में गांव का कोई घर नहीं आए।

रेलवे लाइन की लंबाई करीब 453 किमी निर्धारित

दिल्ली और अमृतसर के बीच की दूरी कम से कम समय में हो, इस उद्देश्य से प्रस्तावित हाई स्पीड रेलवे लाइन की लंबाई करीब 453 किलोमीटर निर्धारित की गई है। इस पूरी परियोजना का क्रियान्वयन नेशनल हाई स्पीड रेल कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जाना है।

फिलहाल इस योजना विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इसमें पर्यावरण प्रभाव आकलन भी शामिल है। परियोजना पर स्थानीय हितधारकों व जनता से भी परामर्श लिया जा रहा है।

उपायुक्त कार्यालय ने लिया संज्ञान

हाई स्पीड रेलवे के तहत दिल्ली से अमृतसर के बीच 10 स्टेशन बनेंगे। दिल्ली में एकमात्र स्टेशन यशोभूमि के पास बनना है। प्रारंभिक सर्वे में जिस जगह को इसके लिए चुना गया, वह बामनौली व धूलसिरस गांव के लाल डोर में पड़ा। दोनों गांव के कई घर इसकी जद में आ गए।

दिल्ली देहात किसान संघर्ष समिति, धूलसिरस वेलफेयर एसोसिएशन, बामनौली ग्राम विकास समिति, शहीद भगत सिंह ब्रिगेड जैसे संगठनों ने इस समस्या को अपने स्तर से जिला प्रशासन, उपराज्यपाल व नेशनल हाई स्पीड रेल कार्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों के समक्ष उठाया। दिल्ली देहात किसान संघर्ष समिति के महासचिव कृष्ण गोदारा बताते हैं कि हमलोगों ने इस मसले को उपराज्यपाल के समक्ष उठाया।

हाई स्पीड रेल लाइन के लिए नए सिरे से हो एलाइंमेंट

उन्होंने अपनी ओर से आश्वासन दिया कि वे कुछ करेंगे। हमलोगों ने दक्षिण पश्चिमी जिला के अधिकारियों के समक्ष भी यह बात उठाई। बाद में हमारी पूरी बात समझने के बाद दक्षिण पश्चिमी जिला उपायुक्त कार्यालय ने नेशनल हाई स्पीड रेल कार्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को पत्र भेजकर कहा कि गांव वालों की आपत्ति को देखते हुए प्रस्तावित हाई स्पीड रेल लाइन के स्टेशन के लिए नए सिरे से एलाइंमेंट करें ताकि घरों को ढहने से बचाया जा सके।

अब नए सिरे से हो रही एलाइंमेंट

ग्रामीणों की आपत्ति व प्रशासन के आग्रह के बाद नेशनल हाई स्पीड रेल कार्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारी प्रस्तावित स्टेशन के लिए अब नए सिरे से सर्वे कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि नया प्रस्तावित स्टेशन जो बनेगा, उसमें कोशिश की जा रही है कि दोनों गांव के लाल डोरे की जमीन इसमें नहीं आए। नए नक्शा तैयार होने के बाद इसे मंत्रालय के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

250 से 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रहेगी दूरी

प्रस्तावित हाई स्पीड रेल लाइन पर ट्रेन अधिकतम 350 किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ेगी। तीन राज्यों से गुजरने वाली दिल्ली अमृतसर रूट पर कुल 10 स्टेशन बनेंगे। इसमें दिल्ली, सोनीपत, पानीपत, करनाल, अंबाला, चंडीगढ़, लुधियाना, जालंधर, ब्यास व अमृतसर शामिल है। प्रस्तावित रेलवे लाइन अंडरग्राउंड, टनल व एलिवेटेड तीनों से गुजरेगी।

अगर आप भी है वर्किंग वुमन तो इंवेस्टमेंट की ये तरकीबें आएंगी आपके बहुत ही काम, यहां जानें सारी जरुरी डिटेल

अगर आप वर्किंग वॉमन है और अपने लिए बेस्ट इंवेस्टमेंट ऑप्शन खोज रहे हैं तो हम आपके कुछ ऐसे ऑप्शन लाए है जिसकी मदद से आप अपने लिए सही इंवेस्टमेंट कर सकती हैं। इस लिस्ट में गोल्ड इंवेस्टमेंट म्युअल फंड से लेकर फिस्ड डिपॉजिट तक सब तक शामिल है। आज हम आपको बताएंगे कि आप कैसे इंवेस्ट कर सकते है।

भारत में बहुत सी ऐसी महिलाएं है, जो घर से बाहर निकल कर काम करती है। ऐसे में हम अपने काम में इतने महगूल हो जाते हैं कि हमें कभी-कभी ख्याल भी नहीं रहता है कि हम अपने लिए कोई सेविंग नहीं कर पा रहे हैं।

ऐसी स्थिति में इंवेस्मेंट का एक सही विकल्प हमेशा हमारे लिए मददगार साबित हो सकता है। आज हम आपको ऐसे ही कुछ विकल्प के बारे में बताएंगे, जो आपके लिए इंवेस्मेंट का बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। आइये इनके बारे में जानते हैं।

गोल्ड इंवेस्टमेंट

पुराने समय से ही भारत में महिलाएं सोने में इंवेस्ट करती आ रही है, चाहे वो सोने का गहना हो या सोने की बिस्किट वे इसमें इंवेस्ट करती है।

सबसे अच्छी बात है कि अब गोल्ड में इंवेस्ट करने के बहुत से तरीके हैं, जिसमें गहने, सिक्के, बार, गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड, गोल्ड फंड, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड प्रोग्राम आदि शामिल हैं।

म्यूचुअल फंड SIP

अगर आप कम जोखिम के साथ इंवेस्ट करना चाहते हैं तो म्यूचुअल फंड आपके लिए निवेश का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए आपको अपने अनुसार निवेश करना होगा। अपने बजट के अनुसार आप इक्विटी, डेट या हाइब्रिड फंड में निवेश कर सकते हैं।

अगर आप लंबे समय के लिए इंवेस्ट करना चाहते हैं तो बता दें कि SIP आपके लिए बेहतर ऑप्शन है। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि यह किफायती होने के साथ-साथ आसान भी है।

राष्ट्रीय पेंशन योजना

जैसा कि हम जानते हैं कि अब हमें पेंशन नहीं मिलती है, ऐसी स्थिति में भारत सरकार आपको लिए रिटायमेंट के बाद पैसे सुरक्षित रखने का उपाय लेकर आई है।

सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन योजना को लॉन्च किया है, जिसकी मदद से आप आसानी से अपने लिए पैसे सुरक्षित कर सकते हैं।

एनपीएस योजना में आप बहुत से सिक्योरिटी प्लान में निवेश कर सकते हैं, जिसमें इक्विटी, कॉर्पोरेट बॉन्ड, लिक्विड फंड, सरकारी बॉन्ड आदि शामिल हैं।

अपने बच्चों को रखें स्वस्थ नियमित खिलाएं यह आहार, बाल रोग विशेषज्ञ से लें टिप्स

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विनय कुमार बताते हैं कि इस मौसम में बच्चों अधिक बीमार होते हैं. इससे उन्हें बचाने के लिए ताजा फल और गर्म खाना खिलाना चाहिए. साथ ही बच्चों के पूरे शरीर को अच्छे से ढंक कर रखें.

जिले में धीरे-धीरे ठंड खत्म हो रही है. ऐसे मौसम में बच्चों को सबसे अधिक सर्दी-बुखार और कोल्ड डायरिया का खतरा बना रहता है. यही कारण है कि बच्चों के बीमार पड़ने का सभी को डर सताने लगता है. इसे लेकर सदर अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विनय कुमार कहते हैं कि जब तेजी से मौसम बदल रहा हो तो वायरल इंफेक्शन बढ़ जाता है. ऐसे में बच्चों की सेहत का खास ध्यान रखना चाहिए. 5 से 13 साल के बच्चों को 9 से 11 घंटे की नींद लेनी चाहिए. अगर पूरी नींद लेंगे तो उनकी इम्युनिटी भी मजबूत बनेगी.

बच्चों के साथ मां भी रखें अपनी सेहत का ख्याल

डॉ. विनय कुमार कहते हैंकि बच्चों को रजाई या गर्म स्थान से अचानक बाहर या ठंडे जगह पर ले जाने से बचना चाहिए. बच्चों के कान, हाथ, पैर सहित शरीर को पूरी तरह से गर्म कपड़े से ढंक कर रखना चा हि ए .

ब च्चों
का तेल मालिश जरूर करें, ताकि उनके शरीर का रोम छिद्र खुला रहे.

बेहद खास है ये ताकत देने वाले काले बीज डॉक्टर से जानें कैसे

बेहद खास है ये ताकत देने वाले काले बीज डॉक्टर से जानें कैसेआगे देखें...

गर्म एवं ताजा खाने के साथ मौसमी फल खिलाएं. वे बताते हैं कि बच्चे की मां को भी अपनी सेहत का विशेष ख्याल रखना चाहिए. क्योंकि अगर मां बीमार होगी तो बच्चों के सेहत पर भी बुरा असर पड़ेगा. वे बताते हैं कि संक्रमण से लड़ने के लिए पोषक तत्व की जरूरत होती है. ऐसे में 5 साल से बड़े बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए नियमित रूप से सब्जी और फल खिलाना चाहिए.

सर्द हवा के कारण 11 डिग्री तक लुढ़का रात का पारा

बीते एक पखवारा में तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है. साथ ही तेज पछुआ हवा भी चल रही है. इस कारण शाम ढलते ही कनकनी बढ़ने लगती है. जिले में बीते एक पखवारा के दौरान तापमान अधिकतम 32 से लुढ़क कर 22 एवं न्यूनतम 23 डिग्री से लुढ़क कर 11 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है.

इन कारणों से सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चे, बुजूर्ग, दिहाड़ी मजदूर और कामकाजी लोगों को हो रही है. तापमान में तेजी से हो रही गिरावट के अलावा दिन और रात के तापमान में भारी अंतर आने से लोग बीमार पड़ रहे हैं. इस कारण अस्पतालों में सर्दी-खांसी, कोल्ड डायरिया, बुखार के मरीज बढ़ रहे हैं.

बाहें फैलाकर आपको बुला रहे हैं ये 5 खूबसूरत डेस्टिनेशन

सुकून से बीतेगा रोमांस का पल, यादों में बसा रहेगा जिंदगी भर

अक्सर रोज की भागदौड़, वर्क प्रेशर, घर-परिवार की देखभाल के कारण कपल्स एक-दूसरे को समय नहीं दे पाते हैं. फिजिकली और मेंटली भी थकान महसूस होती है. ऐसे में कुछ दिनों के लिए सिर्फ एक-दूसरे के साथ समय बिताना चाहते हैं, जिंदगी का मजा उठाना चाहते हैं तो कपल ट्रैवल पर निकल पड़ें. सभी कामों से एक सप्ताह का ब्रेक लेकर आप किसी फेवरेट डेस्टिनेशन की सैर कर आएं. यदि आप देश के बाहर कहीं घूमना चाहते हैं तो कई ऐसी जगहें हैं, जो आपका मूड फ्रेश कर देंगे. सारी तनाव, परेशानियों को भूल जाएंगे. ये ट्रैवल डेस्टिनेशंस ऐसे हैं, जिन्हें न्यूली वेड कपल्स भी एक्सप्लोर कर सकते हैं.

बाली– आपको कपल ट्रैवल डेस्टिनेशन की तलाश है, जहां की खूबसूरत वादियां आपका मन मोह लें तो आप एक बाली होकर आएं. बाली के खूबसूरत बीच (Beach) पर आप एक-दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिता सकते हैं. अपने जीवन को दोबारा से रोमांटिक बना सकते हैं. रिश्ते को पहले से भी ज्यादा मजबूत बना सकते हैं. यहां का फूड भी बेहद स्वादिष्ट होता है. प्रत्येक साल यहां कपल्स सबसे अधिक घूमने आते हैं.

मालदीव– अधिकतर कपल्स मालदीव जाना पसंद करते हैं. यदि आपका सपना है मालदीव जाने का तो एक बार यहां जरूर घूम आएं. यहां के बीचेज पर बने छोटे-छोटे कॉटेज या बीच हाउस में सुकून भरा पल आपको साथ बिताने का भरपूर मौका मिलेगा. मालदीव अपनी खूबसूरती के लिए दुनिया भर में मशहूर है. यह एक शानदार कपल ट्रैवल और हनीमून डेस्टिनेशन साबित हो सकता है.

वियतनाम– वियतनाम एक दक्षिण पूर्व एशियाई देश है, जो अपने समुद्र तटों, नदियों, बौद्ध पैगोडा आदि के लिए मशहूर है. जो कपल कम पैसे में फुल मस्ती करना चाहते हैं, उनके लिए बेस्ट है वियतनाम में ट्रैवल करना. यहां आपको कई चीजें देखने को मिल जाएंगी. खूबसूरत समुद्र तटों पर आप एक-दूसरे के साथ रोमांटिक पल स्पेंड कर सकते हैं.

न्यूजीलैंड– यदि आपको किसी रोमांटिक डेस्टिनेशन की तलाश है तो आप न्यूजीलैंड का भी रुख कर सकते हैं. न्यूली वेड कपल्स के लिए भी यह एक शानदार हनीमून डेस्टिनेशन साबित हो सकता है. नीले-नीले समुंदर, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ में एक-दूसरे के साथ घूमने से आपको रुमानी अहसास होगा.

मॉरीशस– आप बाली, मालदीव जा चुके हैं तो इस बार मॉरीशस घूमने का प्लान बनाएं. हाल ही में शादी हुई है और हनीमून प्लान कर रहे हैं तो आपके लिए मॉरीशस बेस्ट कपल ट्रैवल डेस्टिनेशन होगा. कहा जाता है कि धरती के खूबसूरत जगहों में से एक है मॉरीशस. यहां के खूबसूरत समुद्र तटों के किनारे लाइफ पार्टनर के साथ हाथों में हाथ डाले घूमना बेहद खास अहसास देगा. आप यहां आकर यहां के फूड्स, कल्चर, प्लेसेज का भरपूर आनंद उठा सकते हैं.

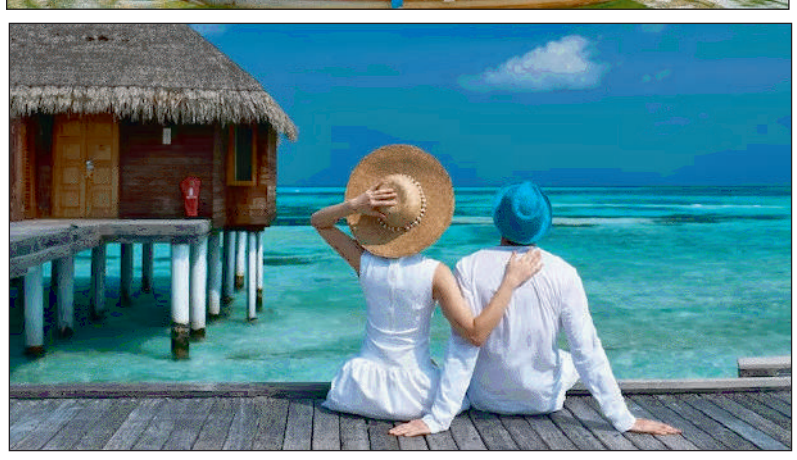

दिल्ली जल बोर्ड से जुड़ा कौन सा है मामला, जिसमें अरविंद केजरीवाल को पहली बार ED ने भेजा समन

परिवहन विशेष न्यूज

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) का शिकंजा कसता जा रहा है। ईडी ने केजरीवाल को पहली बार एक साथ दो समन भेजे हैं। इसमें जल बोर्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में केजरीवाल को पहली बार समन भेज कर तलब किया है। उन्हें पूछताल के लिए 18 मार्च को बुलाया गया है।

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल (Delhi CM Arvind Kejriwal) पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) का शिकंजा कसता जा रहा है। ईडी ने केजरीवाल को पहली बार एक साथ दो समन भेजे हैं। इसमें जल बोर्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में केजरीवाल को पहली बार समन भेज कर तलब किया है। उन्हें पूछताल के लिए 18 मार्च को बुलाया गया है। वहीं, आबकारी घोटाले से जुड़े मामले में मुख्यमंत्री को नौवां समन भेजा गया है, इस मामले में उन्हें 21 मार्च को तलब किया गया है।

केजरीवाल आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक भी हैं, एक ताजा घटनाक्रम में उन्हें दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) से जुड़े धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान देने के लिए एपीजे अब्दुल कलाम रोड स्थित कार्यालय में बुलाया गया है।

ईडी ने दावा किया है कि डीजेबी द्वारा अनुबंध में भ्रष्टाचार के माध्यम से प्राप्त धन को कथित तौर पर दिल्ली में सत्तारूढ़ पार्टी आप को चुनावी फंड के रूप में भेजा गया

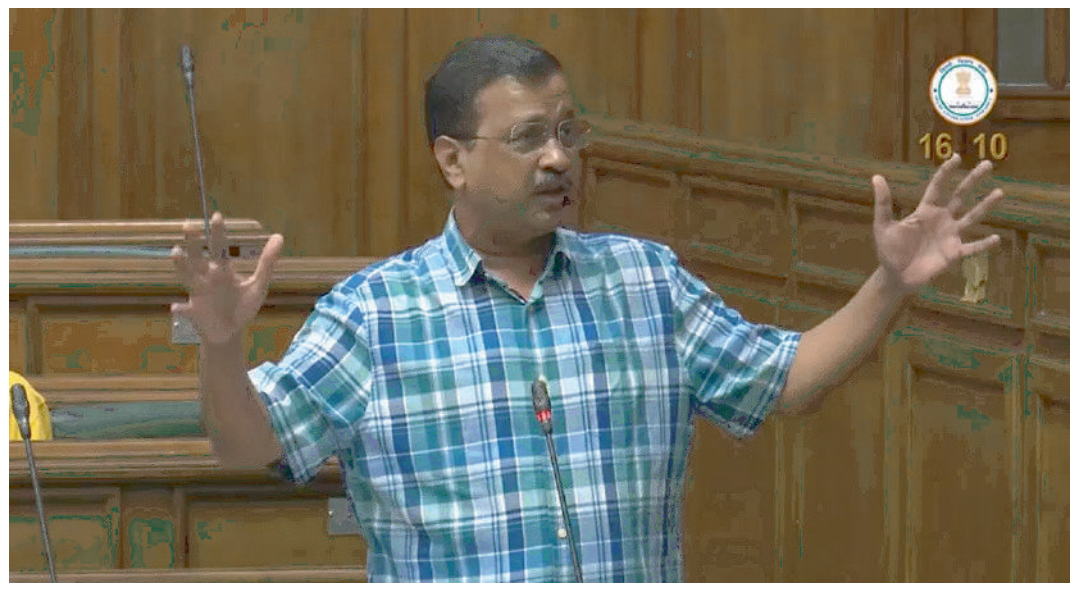

था। फरवरी में ईडी ने इस जांच के तहत केजरीवाल के निजी सहायक, आप के एक राज्यसभा सदस्य, एक पूर्व डीजेबी सदस्य, एक चार्टर्ड अकाउंटेंट और अन्य के आवासों पर छापेमारी की थी।

जानकारों का कहना है कि ईडी का मामला सीबीआइ की एफआइआर पर आधारित है, जिसमें डीजेबी अनुबंध में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कंपनी से 38 करोड़ रुपये की राशि के लिए लिए जाने की बात कही गई है। आरोप है कि कंपनी तकनीकी पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती है फिर भी इसे अनियमितता कर काम दिया गया।

सूत्रों का दावा है कि प्रवर्तन निदेशालय ने अनुबंध से जुड़े व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, उनका आरोप है कि अनुबंध देने में रिश्वत शामिल थी और बाद में इन फंडों का इस्तेमाल अवैध उद्देश्यों के लिए किया गया था, जिसमें आप के लिए चुनाव फंड भी शामिल था। इस मामले में 31 जनवरी को गिरफ्तार किए गए लोगों में डीजेबी के पूर्व मुख्य अभियंता जगदीश कुमार अरोड़ा और ठेकेदार अनिल कुमार अग्रवाल शामिल थे।

ईडी ने दावा किया कि एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने जाली दस्तावेज जमा करके बोली हासिल की और अरोड़ा को इस तथ्य की जानकारी थी कि कंपनी तकनीकी पात्रता पूरी नहीं करती है। ईडी ने आरोप लगाया कि डीजेबी ने अनुबंध से संबंधित रिश्वत लेने के लिए ठेकेदारों से मिलने वाली राशि को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया था, अनुबंध मूल्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अवैध गतिविधियों के लिए फर्जी खर्चों के माध्यम से निकाला गया था।

वहीं आबकारी घोटाले से जुड़े मामले में मुख्यमंत्री को नौवां समन भेजा गया है, इस मामले में उन्हें 21 मार्च को तलब किया गया है। इस मामले में भी आप पर रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया है। ईडी ने दावा किया है कि 2021-22 की आबकारी नीति से प्राप्त धन का इस्तेमाल पार्टी द्वारा गोवा विधानसभा चुनावों में प्रचार के लिए किया गया था।

बता दें कि ईडी इससे पहले मुख्यमंत्री केजरीवाल को 8 बार समन जारी कर चुकी है, लेकिन वह सभी समन को गैरकानूनी बताते हुए पेश होने से इनकार कर चुके हैं। ईडी ने केजरीवाल को पहला समन गत दो नवंबर, 21 नवंबर, तीन जनवरी, 18 जनवरी, दो फरवरी, 19 फरवरी, 26 फरवरी और चार मार्च को भेजा था।

'केजरीवाल पढ़े-लिखे तो हैं, लेकिन उनका ज्ञान जीरो है', BJP नेता बांसुरी स्वराज ने साधा दिल्ली के सीएम पर निशाना

बीजेपी नेता और दिवंगत नेता सुषमा स्वराज की पुत्री बांसुरी स्वराज ने सीएम केजरीवाल को 9वें समन जारी किए जाने पर रविवार को जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा- सीएम अरविंद केजरीवाल और उनके कैबिनेट मंत्री काफी पढ़े-लिखे हैं लेकिन जब कानून की बात आती है तो उनका ज्ञान शून्य है। जो जांच चल रही है वह शराब घोटाले के संबंध में है क्योंकि आरोप गंभीर हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी द्वारा नौवां समन जारी करने के बाद बीजेपी नेता बांसुरी स्वराज ने रविवार को कहा कि अरविंद केजरीवाल बहुत पढ़े-लिखे हैं, लेकिन जब कानून की बात आती है, उसका ज्ञान शून्य है। स्वराज ने एएनआई को बताया कि जब भी पीएमएलए के तहत समन आता है, तो कानूनन यह अनिवार्य है कि आप उसका सम्मान करें।

बांसुरी ने कहा, ₹सीएम अरविंद केजरीवाल और उनके कैबिनेट मंत्री काफी पढ़े-लिखे हैं, लेकिन जब कानून की बात आती है, तो उनका ज्ञान शून्य है। जो जांच चल रही है, वह शराब घोटाले के संबंध में है क्योंकि आरोप गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि आप नेताओं ने 100 करोड़ रुपये की रिश्वत ली है, जिसका इस्तेमाल केवल आप की गतिविधियों के लिए किया जाता है। अगर केजरीवाल जी पार्टी के प्रमुख हैं, तो उन्हें जांच में जवाब देना होगा।

'अनादर करने पर आप धारा 174 के तहत कर रहे अपराध'

उन्होंने कहा, ₹जब भी पीएमएलए के तहत समन आता है तो कानूनन यह अनिवार्य है कि आप उसका सम्मान करें। उन्होंने कहा, जब भी आप उनका अनादर करते हैं तो आप धारा 174 के तहत एक नया अपराध कर रहे होते हैं। इसके अलावा, बांसुरी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ईडी के पिछले आठ समन को नजरअंदाज करके केजरीवाल ने खुद अपने खिलाफ इस मामले को आमंत्रित किया है।

'केजरीवाल ने ईडी के आठ समन का अनादर किया'

उन्होंने कहा, ₹दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने ईडी के आठ समन का अनादर किया है। ईडी द्वारा आईपीसी की धारा 174 के तहत अदालत में याचिका दायर की गई है। कार्यवाही का इस तथ्य से कोई लेना-देना नहीं है कि ईडी के समन 'कानूनी हैं या अवैध।' इस बीच, सूत्रों ने रविवार को बताया कि ईडी ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में अरविंद केजरीवाल को कल के लिए एक और समन जारी किया है।

दिल्ली में खुला पहला CAA सहायता केंद्र, पाकिस्तान से आए हिंदू शरणार्थियों को मिलेगी मदद

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने पाकिस्तान से आए हिंदू शरणार्थियों की मदद के लिए दिल्ली के आदर्श नगर में पहला CAA सहायता केंद्र खोला है। दिल्ली में कुल पांच सीएए सहायता केंद्र खोले जाएंगे। आदर्श नगर भाटी माइंस मजनू का टीला रोहिणी सेक्टर 11 और झंडेवालान में सीएए सहायता केंद्र खोले जाएंगे। दिल्ली में 30 हजार शरणार्थी नागरिकता के लिए आवेदन आ सकते हैं।

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) दिल्ली प्रांत के सेवा आयाम की ओर से पाकिस्तान से आए हिंदू शरणार्थी बस्ती आदर्श नगर में भारतीय नागरिकता कानून (सीएए) सहायता केंद्र का आरंभ किया गया है। विहिप के प्रांत मंत्री सुरेंद्र गुप्ता ने इस सहायता केंद्र के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सीएए कानून आने के बाद हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता दिलाने में मदद के लिए सीएए सहायता केंद्र खोले जा रहे हैं।

आदर्श नगर में खोला गया पहला केंद्र

विहिप देशभर में सीएए सहायता केंद्र खोलेगा। अभी पहला केंद्र दिल्ली के आदर्श नगर में खोला गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पांच सीएए सहायता केंद्र खोले जाएंगे। आदर्श नगर, भाटी माइंस, मजनू का टीला, रोहिणी सेक्टर 11 और झंडेवालान में सीएए सहायता केंद्र खोले जाएंगे।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में 30 हजार शरणार्थी नागरिकता के लिए आवेदन आ सकते हैं। इनमे पाकिस्तान से आने वाले हिंदू, बलूचिस्तान से आने वाले बलूची और अफगानिस्तान से आने वाले सिख शरणार्थी शामिल हैं। हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता मिल सके, इसलिए सहायता केंद्र में हर संभव मदद की जाएगा।

उन्होंने कहा कि सहायता केंद्र में बताया जाएगा कि हिंदू शरणार्थियों की नागरिकता के आवेदन के लिए कौन-कौन से दस्तावेज की जरूरत है, सारे दस्तावेज होंगे तो उनका इंटरनेट आवेदन करेंगे। अगर दस्तावेज नहीं बने हैं तो कैसे बनेंगे, कहां जाना है, क्या करना है, सबकुछ बताया जाएगा।

सीएए सहायता केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर विहिप दिल्ली प्रांत के सह सेवा प्रमुख अनिल भारद्वाज, विभाग मंत्री राजीव, जिला अध्यक्ष सुरेंद्र बुद्धि राजा, जिला सह मंत्री प्रेम शर्मा, प्रखंड अध्यक्ष राकेश जुनेजा सहित विहिप के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दिल्ली की इन दो सीटों पर गेमचेंजर होंगे नए मतदाता, BJP-AAP के दिग्गजों के साथ हो सकता है खेला

परिवहन विशेष न्यूज

चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र में जहां आदर्श नगर विधानसभा में युवा मतदाता सर्वाधिक होने की वजह से निर्णायक स्थिति में हैं तो वहीं नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में पटेल नगर विधानसभा क्षेत्र में भी सर्वाधिक युवा मतदाता हैं। यह भी वह जो पहली बार वोट देने जा रहे हैं। बता दें नई दिल्ली सीट से बांसुरी स्वराज और आप से सोमनाथ भारती मैदान में हैं।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव (LOK SABHA CHUNAV) में युवा मतदाताओं पर डोरे सभी राजनीतिक पार्टियां डाल रही हैं। ऐसे में लोकसभा चुनाव पार्टियां युवा और नव मतदाताओं के संपर्क में जुटी हुई है। मध्य दिल्ली के दो लोकसभा क्षेत्र चांदनी चौक और नई दिल्ली लोकसभा की बात करें तो दोनों लोकसभा क्षेत्रों में 10-10 विधानसभा क्षेत्र हैं।

चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र में जहां आदर्श नगर विधानसभा में युवा मतदाता सर्वाधिक होने की वजह से निर्णायक स्थिति में हैं तो वहीं नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में पटेल नगर विधानसभा क्षेत्र में भी सर्वाधिक युवा मतदाता हैं। यह भी वह जो पहली बार वोट देने जा रहे हैं।

बता दें, नई दिल्ली सीट से दिवंगत सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज और आप से सोमनाथ भारती मैदान में हैं। वहीं चांदनी से बीजेपी ने प्रवीण खंडेलवाल को उतारा है, जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार की घोषणा नहीं हुई है।

शकुरबस्ती में सर्वाधिक बुजुर्ग मतदाता

चुनाव आयोग के आंकड़ों की नजर डालें तो चांदनी चौक लोकसभा की दस विधानसभाओं में पहली बार के मतदाता तो आदर्श नगर विधानसभा में हैं। जबकि 80 से अधिक आयु वाले मतदाताओं की संख्या शकुरबस्ती विधानसभा क्षेत्र में है। कुल 38540 मतदाता 80 से अधिक आयु वाले हैं। इसमें से 6045 मतदाता शकुरबस्ती विधानसभा क्षेत्र में है।

चादनी चौक में सर्वाधिक दिव्यांग मतदाता

वहीं दिव्यांग मतदाताओं की संख्या चादनी चौक विधानसभा में सर्वाधिक है। चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र में दिव्यांग मतदाताओं की कुल संख्या 7528 हैं इसमें अकेले चांदनी चौक विधानसभा में 1006 दिव्यांग मतदाता है। इसी प्रकार नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र की बात करें तो पहली बार वोट देने वाले नवमतदाताओं की कुल संख्या 13352 हैं। इसमें सर्वाधिक नव मतदाता पटेल नगर विधानसभा में हैं। यहां 1650 नव मतदाता है।

इसी प्रकार आरके पुरम विधानसभा क्षेत्र में 80 से अधिक आयु वाले मतदाताओं की संख्या सर्वाधिक हैं। इस लोकसभा क्षेत्र में 39014 हैं। जबकि दिव्यांग मतदाताओं की कुल संख्या इस लोकसभा क्षेत्र में 5519 है। इसमें मोती नगर विधानसभा क्षेत्र में 1062 दिव्यांग मतदाता है।

चुनाव आयोग 7 चरणों में मतदान प्रक्रिया आयोजित करेगा

6 लाख से लेकर 181 वोटों तक का अंतर; ये हैं पिछले लोकसभा चुनाव की सबसे छोटी और सबसे बड़ी जीत

परिवहन विशेष न्यूज

लोकसभा चुनाव 2024 की तारीखें घोषित हो चुकी हैं। फिलहाल आइए जानते हैं कि पिछले लोकसभा चुनाव में वोटों के अंतर के लिहाज से सबसे बड़ी एवं सबसे छोटी जीत कौन सी रही थी। प्रत्याशियों ने 6 लाख के बड़े अंतर से लेकर 181 वोटों के मामूली अंतर तक से जीत दर्ज की थी। पढ़ें ये रिपोर्ट...

नई दिल्ली। शनिवार को चुनाव आयोग की ओर से तारीखों के एलान के साथ ही लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बिगुल बज गया है। कुल 543 लोकसभा सीटों के लिए अलग-अलग राजनीतिक दल जोर लगाएंगे। लोकतंत्र के इस महापर्व में कुल 96.88 करोड़ मतदाता हिस्सा लेंगे, जिनमें 49.7 करोड़ पुरुष, 47.1 करोड़ महिला एवं 48,000 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।

चुनाव आयोग 7 चरणों में मतदान प्रक्रिया आयोजित करेगा। जिसके तहत 19 अप्रैल, 26 अप्रैल, 7 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई एवं 1 जून को वोटिंग होगी। वहीं, 4 जून को सभी राज्यों के लिए मतगणना होगी। फिलहाल नजर डालते हैं पिछले लोकसभा चुनाव के आंकड़ों पर कि 2019 में वोटों के अंतर के लिहाज से सबसे बड़ी एवं सबसे छोटी जीत कौन सी रही थी।

2019 की पांच सबसे छोटी जीत

साल 2019 में लोकसभा चुनाव में सबसे छोटी जीत दर्ज की थी भाजपा के भोलानाथ ने। वह मछलीशहर से मात्र 181 वोटों के अंतर से चुनाव जीते थे।

आरामबाग से तृणमूल कांग्रेस की अपरूपा पोद्दार ने 1142 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी।

खूंटी से भाजपा के अर्जुन मुंडा ने 1445 वोटों के मामूली अंतर से अपने प्रतिध्वंदी को हराया था।

चामराजनगर से भाजपा के वी. श्रीनिवास प्रसाद 1817 वोटों के अंतर से जीते थे।

बर्धमान दुर्ग से भाजपा के एसएस अहुलवालिया ने 2439 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की थी।

चुनाव से जुड़ी और हर छोटी-बड़ी अपडेट के लिए यहां क्लिक करें

2019 की पांच सबसे बड़ी जीत

लोकसभा चुनाव 2019 में वोटों के लिहाज से सबसे बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी सीआर पाटिल ने। वह भाजपा के टिकट पर नवासारी लोकसभा सीट से 6,89,668 वोटों के अंतर से जीते थे।

सबसे बड़ी जीत के मामले में दूसरे नंबर पर थे भाजपा के ही सुभाष बहेड़िया, जिन्होंने भीलवाड़ा लोकसभा सीट से 6,12,000 वोटो से जीत दर्ज की थी।

भाजपा के रंजनबेन भट्ट ने वडोदरा सीट से 5,89,177 मतों के अंतर से बड़ी जीत हासिल की थी।

पश्चिमी दिल्ली से प्रवेश वर्मा ने भाजपा के टिकट पर 5,78,486 वोटों से जीत हासिल की थी।

गांधीनगर से अमित शाह ने 5,57,014 वोटों से विजय प्राप्त की थी।

राजधानी दिल्ली में 71794 दिव्यांग मतदाता चिह्नित, उत्तर पूर्वी दिल्ली में सबसे अधिक

दिव्यांगों के लिए इस बार लोकसभा चुनाव में मतदान सुगम बनाने की कोशिश की गई है। संपूर्ण राष्ट्रीय राजधानी में 71794 दिव्यांग मतदाता चिह्नित किए गए हैं जो घर बैठे मतदान करने की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। सबसे अधिक 13320 दिव्यांग मतदाता उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में हैं। इनमें 8272 पुरुष और 5048 महिलाएं शामिल हैं।

पूर्वी दिल्ली। दिव्यांगों के लिए इस बार लोकसभा चुनाव में मतदान सुगम बनाने की कोशिश की गई है। संपूर्ण राष्ट्रीय राजधानी में 71794 दिव्यांग मतदाता चिह्नित किए गए हैं, जो घर बैठे मतदान करने की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

सबसे अधिक 13320 दिव्यांग मतदाता उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में हैं। इनमें 8272 पुरुष और 5048 महिलाएं शामिल हैं। जिला चुनाव अधिकारियों का कहना है कि भारतीय चुनाव आयोग ने जो प्रविधान किए हैं, उनका पालन किया जाएगा।

दिव्यांगों में पुरुष अधिक

दिव्यांग मतदाताओं में पुरुषों की संख्या अधिक है। पूरी दिल्ली में 44439 दिव्यांग पुरुष इस बार मतदान करेंगे। वहीं 27350 दिव्यांग महिलाएं मतदाता सूची में शामिल की गई हैं।

पांच दिव्यांग मतदाता ट्रांसजेंडर

राष्ट्रीय राजधानी में पांच दिव्यांग मतदाता ट्रांसजेंडर हैं। दक्षिणी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में तीन, पश्चिमी व उत्तर पश्चिमी दिल्ली में एक-एक और पूर्वी दिल्ली में एक दिव्यांग मतदाता ट्रांसजेंडर है।

दिव्यांग मतदाता

उत्तर पूर्वी दिल्ली - 13320
उत्तर पश्चिमी दिल्ली - 12758
पश्चिमी दिल्ली - 12901
दक्षिणी दिल्ली - 10262
पूर्वी दिल्ली - 9506
चांदनी चौक - 7528
नई दिल्ली - 5519

बहन कविता से मिलने दिल्ली पहुंचे केटी रामाराव, आबकारी नीति घोटाला मामले में 23 मार्च तक हैं ED की रिमांड पर

ईडी की रिमांड पर भेजी गईं के कविता से मिलने उनके भाई और भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव दिल्ली पहुंचे। के कविता को दिल्ली की आबकारी नीति घोटाला मामले में ईडी ने शुक्रवार को हैदराबाद से गिरफ्तार किया था। इसके बाद शनिवार को दिल्ली लाकर राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया जहां कोर्ट ने उन्हें 23 मार्च तक ईडी की रिमांड में भेज दिया।

नई दिल्ली। ईडी की रिमांड पर भेजी गईं के कविता से मिलने उनके भाई और भारत राष्ट्र समिति (Bharat Rashtra Samithi) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव दिल्ली पहुंचे। के कविता को दिल्ली की आबकारी नीति (Delhi Excise Policy 2021-22) घोटाला मामले में ईडी ने शुक्रवार को हैदराबाद से गिरफ्तार किया था। इसके बाद शनिवार को दिल्ली लाकर राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने उन्हें 23 मार्च तक ईडी की रिमांड में भेज दिया।

के कविता बीआरएस की एमएलसी और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी हैं। ईडी ने 10 दिन की रिमांड मांगते हुए अदालत को बताया कि किस तरह से के कविता जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं और सबूतों को झुठलाने के साथ ही नष्ट करने का काम किया है।

केजरीवाल की सक्रिय संलिप्तता का आरोप लगाया

ईडी ने के कविता के रिमांड एप्लीकेशन में आबकारी घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सक्रिय संलिप्तता का आरोप लगाया है और इस सिलसिले में वाईएसआर कांग्रेस के सांसद और घोटाले के आरोपी मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी के मजिस्ट्रेट के सामने धारा 164 के तहत दिये बयान का हवाला दिया है।

यूट्यूबर एल्विश यादव को कोर्ट ने 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा, वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई

परिवहन विशेष न्यूज

यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 विजेता एल्विश यादव को नोएडा की अदालत ने रविवार को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एल्विश पर सांप के जहर की तस्करी के मामले में कार्रवाई की गई है। डीसीपी नोएडा विद्या सागर मिश्रा ने बताया कि वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत एल्विश यादव और अन्य के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया था। आज उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया था और हिरासत में लिया गया था। उक्त मामले में एनडीपीएस एक्ट की धाराएं बढ़ाकर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

नोएडा। यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 विजेता एल्विश यादव को वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत एक मामले में कोर्ट ने 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एल्विश पर सांप के जहर की तस्करी के मामले में कार्रवाई की है। पिछले साल नोएडा पुलिस ने सेक्टर-49 में एफआईआर दर्ज की थी।

डीसीपी नोएडा विद्या सागर मिश्रा ने एल्विश यादव की गिरफ्तारी पर कहा, ₹वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत एल्विश यादव और अन्य के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया था। आज उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया था और हिरासत में लिया गया था। उक्त मामले में एनडीपीएस एक्ट की धाराएं

सपेरों ने दी थी जानकारी

पीपल फॉर एनिमल के सदस्य गौरव गुप्ता ने दो नवंबर 2023 को सेक्टर-51 में एक स्टिंग किया था। मौके पर दिल्ली के चार सपेरों और एक अन्य को पुलिस ने रंगे हाथ पकड़ा था। इनके कब्जे से नौ सांप बरामद हुए थे। इनमें पांच कोबरा, एक अजगर, दो दुमुही सांप और एक घोड़ा पछाड़ शामिल थे। एक डिब्बी में 20 एमएल स्नेक वेनम मिला था। पुलिस ने गौरव गुप्ता की शिकायत पर एल्विश यादव समेत छह लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की थी।

कौशाम्बी में आया मतांतरण का मामला, बजरंग दल ने हिंदुओं का माइंड वॉश करने का आरोप

गाजियाबाद के कौशाम्बी में मतांतरण का मामला सामने आया है। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने इसके आरोप लगाए हैं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि सभा में हिंदुओं को बुलाया गया था। उनका माइंड वॉश किया जा रहा था। माइंड वॉश कराने वाले दो अमेरिका के व्यक्ति और दो कोरिया की लड़कियां भी थी। उनका आरोप है कि हिंदुओं को इसाई में बदलने की कोशिश की जा रही थी।

गाजियाबाद। जिले के कौशाम्बी में मतांतरण का मामला सामने आया है। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने इसके आरोप लगाए हैं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि सभा में हिंदुओं को बुलाया गया था। उनका माइंड वॉश किया जा रहा था। माइंड वॉश कराने वाले दो अमेरिका के व्यक्ति और दो कोरिया की लड़कियां भी थी। उनका आरोप है कि हिंदुओं को इसाई में बदलने की कोशिश की जा रही थी। उनका कहना था कि सभा को सुनने वाले ज्यादातर लोग हिंदु थे। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पुलिस के साथ मौके पर पहुंच कर सभा को रुकवाया। पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस का कहना है कि सभी लोग अपनी इच्छा से आए थे। इस वजह से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। बजरंग दल के कार्यकर्ता इस मामले में पुलिस की लिखित में शिकायत करेंगे।

अब होली पर घर जाना होगा और भी आसान, 22 मार्च से एक अप्रैल तक यहां से चलेगी स्पेशल बसें

होली के त्योहार पर घर जाने में अब लोगों को कोई परेशानी नहीं होगी। ग्रेटर नोएडा डिपो से 153 बसें 24 घंटे विभिन्न रूटों पर चलती रहेगी। ऐसे रूट चुने गए हैं जहां आने-जाने के लिए यात्रियों की सबसे ज्यादा भीड़ रहती है। इनमें एटा बुलंदशहर अलीगढ़ आगरा मथुरा बदायूंआगरा इटावा आदि शामिल हैं। वहीं लंबे रूट जैसे लखनऊ कानपुर गोरखपुरबरेली आदि को शामिल किया गया है।

ग्रेटर नोएडा। होली के त्योहार पर घर जाने वाले यात्रियों के लिए ग्रेटर नोएडा डिपो की ओर से 22 मार्च से एक अप्रैल तक स्पेशल बस सेवा का संचालन किया जाएगा। इसके लिए डिपो की ओर से तैयारियां कर ली गई है। डिपो की 153 बसें 24 घंटे विभिन्न रूटों पर चलती रहेगी। ऐसे रूट चुने गए हैं, जहां आने-जाने के लिए यात्रियों की सबसे ज्यादा भीड़ रहती है।

इनमें एटा, बुलंदशहर, अलीगढ़, आगरा, मथुरा, बदायूं, आगरा, इटावा आदि शामिल हैं। वहीं, लंबे रूट जैसे लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, बरेली आदि को शामिल किया गया है। कानपुर, लखनऊ और गोरखपुर के लिए चलने वाली बसें यात्रियों की उपलब्धता पर परीचौक से भी संचालित की जाएंगी। इसके अलावा आनंद विहार और कौशांबी बस अड्डे से भी बसों का संचालन होगा।

वहीं, नॉलेज पार्क में पढ़ने वाले हजारों छात्रों को परी चौक से ही अपने गंतव्य पर जाने के लिए बसें मिल जाएगी। इन रूट पर रात-दिन बसें चलेंगी। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए तत्काल भी कई रूट पर बस सेवा का संचालन किया जाएगा।

चालक-परिचालकों को मिलेगा आर्थिक सम्मान

22 मार्च से एक अप्रैल तक 11 दिन लगातार ड्यूटी पर रहने वाले चालक-परिचालकों को रोडवेज की ओर से आर्थिक रूप से सम्मानित भी किया जाएगा। एआरएम का कहना है कि 10 दिन तक रोजाना बस चलाने वाले चालक-परिचालकों को 3500 रुपये, वहीं 11 दिन तक लगातार कार्य करने वालों को चार हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके साथ ही कार्यशाला में काम करने वालों को भी 1800 रुपये दिए जाएंगे।

होली के त्योहार के मौके पर 22 मार्च से एक अप्रैल तक स्पेशल बस सेवा का संचालन किया जाएगा। 24 घंटे बसों का संचालन होगा। लंबे रूट पर दो चालक मौजूद रहेंगे। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए तय रूट के अलावा अन्य पर भी बसों का संचालन होगा।

– अनिल कुमार शर्मा, एआरएम ग्रेटर नोएडा डिपो

यूपी का यह स्टेशन अंग्रेजों के जमाने में बना लेकिन आज तक नहीं होता एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव

परिवहन विशेष न्यूज

वर्तमान में दादरी स्टेशन पर दिल्ली जाने वाली 10 ट्रेन ही रुकती हैं। एक्सप्रेस ट्रेनों का कोई ठहराव नहीं है। दादरी स्टेशन से रोजाना 120 एक्सप्रेस ट्रेन दिल्ली से कानपुर की तरफ जाती हैं लेकिन किसी का ठहराव यहां नहीं है। दादरी स्टेशन से रोजाना यात्रियों के आवागमन से प्रतिदिन 40 हजार रुपये और रिजर्वेशन से 85 हजार रुपये के लगभग आय प्राप्त होती है।

दादरी। दादरी स्थित रेलवे स्टेशन अंग्रेजों के समय से है। इस मार्ग को कानपुर-हावड़ा मार्ग से जाना जाता है। दादरी स्टेशन को जनपदीय स्टेशन की उपलब्धि प्राप्त है, लेकिन क्षेत्रीय जिम्मेदार लोग आज तक दादरीवासियों के लिए एक भी एक्सप्रेस-ट्रेन का ठहराव यहां नहीं करा सके। स्टेशन पर सुविधाओं के नाम पर मात्र पैसेंजर ट्रेनों का ही ठहराव होता है।

एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए लोगों को दिल्ली व गाजियाबाद जाना पड़ता है। दादरी व ग्रेटर नोएडा में रहने वाले लाखों पूर्वांचल के लोगों को दादरी स्टेशन से कोई लाभ नहीं मिला। दैनिक रेल यात्री एसोसिएशन व नगर के सामाजिक संगठन दादरी स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधि से लेकर रेल मंत्री तक से गुहार ला चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। लोगों को उम्मीद है कि इस बार लोकसभा चुनावों में आने वाले प्रत्याशी एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव को गंभीरता से संज्ञान में ले।

रोजना गुजरती है यहां से 120 एक्सप्रेस ट्रेनें

वर्तमान में दादरी स्टेशन पर दिल्ली जाने वाली 10 ट्रेन ही रुकती हैं। एक्सप्रेस ट्रेनों का कोई ठहराव नहीं है। दादरी स्टेशन से रोजाना 120 एक्सप्रेस ट्रेन दिल्ली से कानपुर की तरफ जाती हैं, लेकिन किसी का ठहराव यहां नहीं है। दादरी स्टेशन से रोजाना यात्रियों के आवागमन से प्रतिदिन 40 हजार रुपये और रिजर्वेशन से 85 हजार रुपये के लगभग आय प्राप्त होती है। यदि एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव होता है यह आमदनी बढ़कर कई गुना हो जाएगी।

एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव होने पर ये होगा बदलाव

रेलवे अधिकारी के अनुसार दादरी स्टेशन पर यदि एक्सप्रेस ट्रेनों को ठहराव होता है तो टिकट काउंटर बढ़ाने होंगे। यदि दादरी स्टेशन से ट्रेन बनकर चलती है तो उसके लिए पानी की व्यवस्था, जांच की व्यवस्था, सफाई स्टाफ की तैनाती, आइआरसीटीसी को खाने की व्यवस्था, ड्राइवर व गार्डों के ठहरने के लिए घर की व्यवस्था।

दैनिक रेल यात्री जेपी शर्मा ने बताया कि दादरी स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव के लिए पिछले 15 वर्षों से प्रयास किया जा रहा है। दादरी व आसपास की बढ़ती आबादी को देखते हुए एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव जरूरी है।

भारत में होने वाले लोकसभा चुनाव 2024 पर पूरी दुनियां की नजर लगी हुई है

लोकसभा चुनाव 2024 तारीखों का ऐलान- राजनीतिक पार्टियों के बीच धामासान

भारत में 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव 19 अप्रैल से 1 जून 2024-नतीजे नतीजे 4 जून 2024 को आएंगे। वैश्विक स्तर पर दुनियां के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में लोकसभा चुनाव 2024 के तारीखों का पूरा शेड्यूल घोषित हो चुका है और इसके साथ ही आचार संहिता अधिसूचना जारी होते ही मॉडल ऑफ कोड आफ कंडक्ट यानी आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है, जिसके तहत देशभर में अभियान चलाकर राजनितिक दलों के होर्डिंग बैनर पोस्टर उतारे जा रहे हैं, यही नहीं सरकारी योजनाओं के पोस्ट भी उतार दिए जाएंगे। अब आचार संहिता उल्लंघन की जानकारी सीधे चुनाव आयोग को दी जा सकती है, जिस पर चुनाव आयोग तेज रफ्तार से कार्यवाही करेंगे। मेरा यह बता देना जरूरी है कि लोगों में यह गलत धारणा समाई हुई है कि आचार संहिता केवल राजनीतिक दलों पर ही लागू होती है परंतु मेरा मत है कि यह हम सब आम आदमी पर भी लागू होती है और इसका उल्लंघन करने पर जेल की हवा खानी पड़ सकती है, परंतु सरकारी काम बंद नहीं होते उन्हें हमारा काम करना पड़ता है। हमारा हर सरकारी काम होते रहेगा। सड़क, पानी, बिजली, चालू सहायता परियोजनाएं सब चलते रहेंगे। मकान की परमिशन का अगर पहले आवेदन दे दिया है तो पास होगा, हमें भी कोई भी पोस्ट या मेल करते समय आचार संहिता के नियम पढ़ लेने चाहिए, नहीं तो जेल जाना पड़ सकता है। आचार संहिता का हम उल्लंघन नहीं कर सकते ठीक वैसे ही हम टीवी चैनल सोशल मीडिया पर आज से ही देख रहे हैं कि फिर राजनीतिक, विकास, महिलाओं के सशक्तीकरण, किसानों के कल्याण और उन सभी हाशिए पर पड़े और कमजोर लोगों के लिए एक गारंटी है जिन्हें दशकों से नजरअंदाज किया गया है। कांग्रेस की न्याय गारंटी: देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के राज्य चुनावों में कुछ हद तक फायदा होता दिख रहा है, जब उसने लोगों को गारंटी दी। अब लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी ने युवाओं, किसानों, महिलाओं, श्रमिकों और आदिवासी समुदाय के लिए न्याय सुनिश्चित करने के साथ-साथ 'भागीदार न्याय' के उद्देश्य से अपनी 5 'न्याय गारंटी' की बात की है। मणिपुर से मुंबई तक युवा नेता की अगुवाई वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान लोगों के सामने न्याय की गारंटी पेश की गई है। विपक्षी पार्टी का घोषणापत्र इन गारंटी के इर्द-गिर्द तैयार किए जाने की संभावना है और पार्टी अपना अभियान इन्हीं गारंटी के इर्द-गिर्द तैयार करेगी बेरोजगारी और महंगाई -कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन बेरोजगारी और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का मुद्दा उठाता रहा है। उन्होंने बार-बार कहा है कि नौकरियों की कमी सबसे बड़ा मुद्दा है और उन्होंने इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश भी की है। पार्टी ने रोजगार वृद्धि और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का हवाला देते हुए पलटवार किया है। इस चुनावी मौसम में रोज़ी-रोटी से जुड़े इन मुद्दों पर बहस तेज होगी। अनुच्छेद 370 सीएए और समान नागरिक संहिता तीनों मुद्दे पार्टी के लंबे समय से किए गए वादों में शामिल रहे हैं। पार्टी ने संशोधित नागरिकता अधिनियम, 2019 के क्रियान्वयन और जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की अपनी उपलब्धि को पेश करना जारी रखा है।

पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा कानून तैयार करने के अपने उद्देश्य के अग्रदूत के रूप में उत्तराखंड में भी समान नागरिक संहिता पर एक कानून पारित किया है. मोदी सरकार ने इन कदमों से यह दिखाने का प्रयास किया है कि वो जो कहती है वो करती है। राम मंदिर बीते 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को पार्टी ने जबरदस्त उत्साह के साथ मनाया। विपक्षी नेता भी मानते हैं कि राम मंदिर से भाजपा को उत्तर भारत में फायदा हुआ है। विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी को कम से कम 370 सीटें मिलने का ज्यादातर भरोसा इसी राम मंदिर लहर से पैदा हुआ है। चुनावी बॉण्ड मामला निर्वाचन आयोग ने चुनावी बॉण्ड का आंकड़ा सार्वजनिक कर दिया है. कांग्रेस ने चुनावी बॉण्ड योजना में कथित भ्रष्टाचार के लिए सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ उच्चतम लिए सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ उच्चतम न्यायालय से उच्च स्तरीय जांच और उसके बैंक खातों को 'फ्रीज' करने की मांग की है। चुनाव से ठीक पहले यह मुद्दा सामने आया है और विपक्ष ने इसे हाथों हाथ लिया है, लेकिन यह जमीनी स्तर पर काम करेगा या नहीं, यह अभी भी देखना बाकी है। अमृतकाल बनाम अन्याय काल, चुनावी मौसम के दौरान भाजपा का यह दावा होगा कि मोदी सरकार ने अमृतकाल में सुशासन, तेज गति से विकास और भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण का आश्वासन दिया है. दूसरी ओर, कांग्रेस ने मोदी सरकार के 10 वर्षों को 'बेरोजगारी, बढ़ती कीमतें, संस्थाओं पर कब्ज़ा, संविधान पर हमला और बढ़ती आर्थिक असमानताओं वाला अन्याय काल करार दिया है। किसानों के मुद्दे और एमएसपी की कानूनी गारंटी चुनाव से ठीक पहले दिल्ली के निकट किसानों का आंदोलन भी चर्चा में हावी रहने की संभावना है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने किसानों के साथ विश्वासघात किया है। एक पार्टी ने किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी देने का वादा किया है। पार्टी नेता किसान नेताओं की चिंताओं को दूर करने के लिए उनसे बातचीत कर रहे हैं और वे आरोप लगाते रहे हैं कि कई आंदोलनकारी राजनीति से प्रेरित थे। सरकार ने इस बात पर भी जोर दिया है कि कैसे उसकी 'पीएम-किसान योजना' ने खेती करने वालों के जीवन को बदल दिया है. अधिकतर चुनावों की तरह किसानों के मुद्दे इस बार भी महत्वपूर्ण होंगे। विचारधाराओं का टकराव, यह चुनाव एक महत्वपूर्ण चरण का भी प्रतीक है जिसे कई लोग दोनो पार्टियों के बीच विचारधाराओं की लड़ाई' कहते हैं. दोनों पार्टियां अपने वैचारिक सिद्धांत लोगों के सामने रखेंगी और उनसे किसी एक को चुनने के लिए कहेंगी। विकसित भारत का दृष्टिकोण पीएम ने कहा है कि देश का लक्ष्य एक विकसित राष्ट्र बनना है। उन्होंने कहा है उनकी सरकार 2047 तक इस लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है. विकसित भारत का दृष्टिकोण भाजपा के चुनावी अभियान में महत्वपूर्ण रहने की संभावना है, जबकि विपक्ष इसे एक और जुमला करार दे रहा है। हालांकि, चुनाव अभियान के दौरान यह एक प्रमुख विषय बना रहेगा। चुनाव आयोग द्वारा 16 मार्च 2024 को 3 बजे चुनाव तारीखों की घोषणा कर दी गई है। इस बार चुनाव 19 अप्रैल से एक जून के बीच सात चरणों में होंगे और मतगणना चार जून को होगी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 18वीं लोकसभा के गठन के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही देश में आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है. इसके साथ ही सरकार ऐसा कोई नीतिगत फैसला नहीं कर सकेगी, जो मतदाताओं के फैसले को प्रभावित कर सके। कुमार ने बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 में कुल 97 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं. इनमें से 49.7 करोड़ पुरुष, 47.1 करोड़ महिलाएं और 48 हजार ट्रांसजेंडर शामिल हैं. साल 2019 के चुनाव में मतदाताओं की कुल संख्या 90 करोड़ थी. उन्होंने बताया कि ऐसे मतदाताओं की संख्या 1.8 करोड़ है, जो पहली बार मतदान करेंगे और मतदाता सूची में 85 साल से अधिक उम्र के 82 लाख और सौ साल से अधिक उम्र के 2.18 लाख मतदाता शामिल हैं। कुमार ने बताया कि देशभर में मतदाता लिंगानुपात 948 है और 12 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या अधिक है. उन्होंने कहा कि देश में 10.5 लाख से अधिक मतदान केंद्र होंगे और 55 लाख इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का इस्तेमाल होगा और 55 लाख इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का इस्तेमाल होगा।

अतः अगर हम अपने पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि लोकसभा चुनाव 2024 तारीखों का ऐलान राजनीतिक पार्टियों के बीच धामासान भारत में 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव 19 अप्रैल से 1 जून 2024 तक और नतीजे 4 जून 2024 को आएंगे। भारत में होने वाले इस लोकसभा चुनाव 2024 पर पूरी दुनियां की नजर लगी हुई है, इस लिए मतदाताओं को रेखांकित करना जरूरी है।

यह कंपनी जल्द लाएगी 400 सीसी सेगमेंट की नई बाइक, जानें क्या होंगी खूबियां

देश में 400 सीसी सेगमेंट में काफी कम समय में कई विकल्प कंपनियों की ओर से उपलब्ध करवाए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 400 सीसी सेगमेंट (upcoming 400cc bike) में जल्द ही एक और नई बाइक को भारतीय बाजार में लाया जा सकता है। किस कंपनी की ओर से किन खूबियों के साथ नई बाइक को लाने की तैयारी की जा रही है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। रिपोर्ट्स के मुताबिक 400 सीसी सेगमेंट में जल्द ही एक और बाइक को लाने की तैयारी की जा रही है। किस कंपनी की ओर से इस सेगमेंट में किस डिजाइन के साथ नई बाइक को भारत में लॉन्च किया जा सकता है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

भारतीय बाजार में जल्द ही 400 सीसी के इंजन के साथ एक और बाइक आने जा रही है। जानकारी के मुताबिक ट्रॉयम्फ की ओर से श्रक्सटन 400 बाइक को देश में लॉन्च किया जा सकता है। बाइक को कैफे रेसर स्टाइल में लाया जाएगा। इस बाइक को लॉन्च से पहले ही कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है।

कैसा होगा डिजाइन

बजाज और ट्रॉयम्फ की पार्टनरशिप के बाद यह 400 सीसी सेगमेंट की तीसरी बाइक होगी। जिसका डिजाइन कैफे रेसर बाइक की तरह होगा। मौजूदा 400 के फ्रेम पर बनी इस बाइक में फुल फेयरिंग नहीं होगी और हैंडलबार पर क्लिप होंगे। इसकी राइडिंग पोजिशन भी स्पोर्टी बाइक की तरह हो सकती है। ट्रॉयम्फ की 400 की तरह ही इसमें भी गोल हेडलाइट दी जा सकती है।

कितना दमदार इंजन

कंपनी इस बाइक में भी स्क्रैम्बलर वाला ही इंजन का उपयोग करेगी। बाइक में 399 सीसी का लिक्विड कूल्ड, सिंगल सिलेंडर डीओएचसी फ्यूल इंजेक्टिड इंजन होगा। जिससे 40 पीएस की पावर और 37.5 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलेगा। बाइक में छह स्पीड गियरबॉक्स दिया जाएगा। इसके साथ ही इसमें राइड बाय वायर कंट्रोल और ड्यूल चैनल एबीएस के साथ ही स्लिप और असिस्ट क्लच को दिया जाएगा।

कितनी होगी कीमत

कंपनी की ओर से अभी इस बाइक को लेकर कोई खास जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इसे स्क्रैम्बलर 400 एक्स की कीमत के बराबर कीमत पर ही लॉन्च किया जा सकता है।

500 सीसी से ज यादा बड़े इंजन वाली कौन सी बाइक स बनीं भारतीयों की पसंद, जानें डिटेल

देश में हर महीने लाखों की संख्या में दो पहिया वाहनों की बिक्री होती है। लेकिन 500 सीसी और उससे ज्यादा की क्षमता वाली Super Bike को भी काफी ज यादा पसंद किया जाता है। सियाम की रिपोर्ट के मुताबिक February 2024 के दौरान देश में किस कंपनी की ओर से कितनी Super Bike Sale की गई हैं। आइए जानते हैं।

देश में हर महीने लाखों की संख्या में दो पहिया वाहनों की बिक्री होती है। लेकिन 500 सीसी और उससे ज यादा की क्षमता वाली Super Bike को भी काफी ज यादा पसंद किया जाता है। सियाम की रिपोर्ट के मुताबिक February 2024 के दौरान देश में किस कंपनी की ओर से कितनी Super Bike Sale की गई हैं। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में Super Bike को पसंद करने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। सियाम की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी 2024 के दौरान 500 सीसी और उससे ज्यादा क्षमता वाली बाइक्स की Sale कैसी रही। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

500CC से ज यादा बड़ी Super Bike

500 से 800 सीसी Super Bike सेगमेंट में होंडा, कावासाकी, रॉयल एनफील्ड, सुजुकी और ट्रायम्फ की बाइक्स को ऑफर किया जाता है। सियाम की रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी 2024 के दौरान इस सेगमेंट में Super Bike Sale सबसे ज्यादा रही। 500 से 800 सीसी की बाइक्स की कुल 3315 यूनिट्स की बिक्री हुई। जबकि इससे पहले फरवरी 2023 के दौरान इसी सेगमेंट में कुल बिक्री 1257 यूनिट्स की थी। इस सेगमेंट में होंडा सीबीआर 650एफ, निंजा 650, सुपर मीटियोर 650, 650 ट्विन और स्ट्रीट ट्रिपल जैसी Super Bike आती हैं।

800 से 1000 सीसी बाइक स

800 से 1000 सीसी बाइक सेगमेंट में कावासाकी निंजा एच2 एसएक्स, ट्रॉयम्फ की बोनविले टी100 और स्पीड जैसी बाइक्स आती हैं। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक बीते महीने में इस सेगमेंट में कुल 127 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान 100 बाइक्स की बिक्री हुई थी।

एक हजार सीसी से ज यादा बड़ी Super Bike

भारत में लीटर क्लास और उससे ऊपर के इंजन की क्षमता वाली बाइक्स की भी बिक्री होती है। हीरो मोटोकॉर्प हॉर्ले डेविडसन की बाइक्स की भारत में बिक्री करती है। जिनमें 1200 एक्स 48, नाइटस्टर, पैन अमेरिका, सुजुकी हायाबूसा और ट्रॉयम्फ की बोनविले बॉबर जैसी Super Bike की बिक्री होती है। सियाम की रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी 2024 के दौरान भारतीय बाजार में इस सेगमेंट की कुल 55 बाइक्स की बिक्री हुई। जबकि पिछले साल फरवरी 2023 में इस सेगमेंट की कुल बिक्री 62 यूनिट्स रही थी।

हुंडई की क्रेटा ईवी की हो रही टेस्टिंग, जानें क्या मिली जानकारी

साउथ कोरियाई कार निर्माता Hyundai की ओर से भी इलेक्ट्रिक एसयूवी और कारों के पोर्टफोलियो को बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक क्रेटा एसयूवी के इलेक्ट्रिक वेरिएंट (Creta EV) को हाल में टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। क्रेटा एसयूवी के इलेक्ट्रिक वेरिएंट में आईसीई वर्जन के मुकाबले क या बदलाव किए जा सकते हैं। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत सहित दुनिया के कई देशों में प्रदूषण को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिस कारण कंपनियां भी लगातार अपने कई वाहनों के इलेक्ट्रिक वेरिएंट्स की टेस्टिंग कर रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक हुंडई की क्रेटा एसयूवी के इलेक्ट्रिक वेरिएंट की भी टेस्टिंग हो रही है। इसमें क्या बदलाव किए जा सकते हैं। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

स्पॉट हुई Hyundai Creta EV

हाल में ही हुंडई की क्रेटा एसयूवी के इलेक्ट्रिक वेरिएंट को टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। साउथ कोरिया में इस इलेक्ट्रिक एसयूवी की टेस्टिंग की जा रही है।

क या मिली जानकारी

हुंडई क्रेटा के इलेक्ट्रिक वेरिएंट का लुक वैसा ही है, जैसा लुक और डिजाइन कंपनी की ओर से भारत में ऑफर किया जा रहा है। कंपनी ने जनवरी में ही क्रेटा के फेसलिफ्ट वेरिएंट को भारत में लॉन्च किया था। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि अन्य बाजारों से पहले इसे भारतीय बाजार में लाया जा सकता है।

कैसे होंगे फीचर्स

साउथ कोरिया में क्रेटा इलेक्ट्रिक के जिस वेरिएंट को टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। उसमें फ्रंट फेंडर मांउटिड चार्जिंग पोर्ट, लोगो की पोजिशन में बदलाव, फ्रंट और रियर में ब्लैंक्ड ऑफ ग्रिल के साथ ही 17 इंच के अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। हालांकि भारत में हाल में ही इस एसयूवी के फेसलिफ्ट वेरिएंट को लाया गया है। ऐसे में जो फीचर इसके आईसीई वेरिएंट में दिए जा रहे हैं, वैसे ही फीचर्स को कंपनी की ओर से इलेक्ट्रिक वेरिएंट में दिया जा सकता है। जिसमें 360 डिगी कैमरा, ADAS, बेहतर इंटीरियर, पैनोरमिक सनरूफ जैसे कुछ फीचर्स शामिल हैं।

कितनी होगी रेंज

अभी इस एसयूवी की टेस्टिंग की जा रही है। लेकिन उम्मीद है कि कंपनी इसके प्रोडक्शन वेरिएंट में 55 से 60 kWh की क्षमता की बैटरी देगी। जिससे सिंगल चार्ज में एसयूवी को करीब 500 किलोमीटर तक की रेंज मिल पाएगी।

फरवरी 2024 में रही इन मिड साइज सेडान कारों की मांग, जानें किसकी हुई सबसे ज्यादा बिक्री

भारतीय बाजार में एसयूवी सेगमेंट के अलावा आराम और लग जरी के लिए सेडान कारों को भी काफी पसंद किया जाता है। कई बड़ी कंपनियों की ओर से इस सेगमेंट में अपने उत पाद ऑफर किए जाते हैं। सियाम की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक February 2024 के दौरान देश भर में किन Mid Size Sedan Cars की बिक्री कैसी रही है। आइए जानते हैं।

नई दिल ली। देशभर में हर महीने बड़ी संख्या में वाहनों की बिक्री होती है। Mid Size Sedan Car सेगमेंट में कई कंपनियों की ओर से वाहनों को ऑफर किया जाता है। हम इस खबर में आपको February 2024 के दौरान Top Mid Size Sedan Cars की लिस्ट की जानकारी दे रहे हैं।

कितनी हुई बिक्री

मारुति, स्कोडा, फॉक्सवैगन, होंडा और हुंडई जैसी वाहन निर्माताओं की ओर से देश में मिड साइज सेडान कार सेगमेंट में बेहतरीन कारों को ऑफर किया जाता है। सियाम की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी 2024 के दौरान देशभर में एसयूवी और हैचबैक के साथ ही मिड साइज सेडान कारों की मांग भी देखने को मिली। इस सेगमेंट में देशभर में बीते महीने कुल 6002 यूनिट्स की बिक्री हुई। जबकि पिछले साल फरवरी में इन कारों की कुल बिक्री 5721 यूनिट्स की रही थी।

सबसे ज यादा रही इस सेडान कार की मांग

फरवरी 2024 के दौरान देश में हुंडई की Verna की सबसे ज्यादा मांग रही। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने बीते महीने में इस मिड साइज सेडान कार की कुल 1678 यूनिट्स की बिक्री की है। जबकि पिछले साल इसी अवधि में कंपनी ने इस कार की कुल सिर्फ 47 यूनिट्स की बिक्री की थी।

दूसरे नंबर पर रही Volkswagen

फॉक्सवैगन की ओर से वर्टुस को मिड साइज सेडान के तौर पर ऑफर किया जाता है। कंपनी की इस एसयूवी की फरवरी 2024 के दौरान कुल 1631 यूनिट्स की बिक्री की। पिछले साल फरवरी 2023 में इस सेडान कार की कुल बिक्री 1563 यूनिट्स की रही थी।

तीसरे नंबर पर आई Honda

जापानी कार निर्माता होंडा की ओर से भी इस सेगमेंट में सिटी को ऑफर किया जाता है। करीब 27 साल से इस सेडान कार को भारत में पसंद किया जाता है। बीते महीने में इस कार की कुल 1184 यूनिट्स की बिक्री हुई। जबकि फरवरी 2023 के दौरान इसकी 1963 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

Skoda Slavia भी बनी पसंद

फॉक्सवैगन की वर्टुस की तरह ही स्कोडा की स्लाविया को भी मिड साइज सेडान के तौर पर लाया जाता है। कंपनी की इस सेडान कार की फरवरी 2024 के दौरान 1028 यूनिट्स की बिक्री हुई। जबकि पिछले साल इस कार को 1356 लोगों ने खरीदा था।

Maruti Ciaz की हुई कम बिक्री

देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता मारुति सुजुकी की ओर से इस सेगमेंट में सियाज को ऑफर किया जाता है। कंपनी की इस कार की फरवरी 2024 के दौरान सिर्फ 481 यूनिट्स की ही बिक्री हुई है। पिछले साल फरवरी महीने में इस कार को 792 ग्राहकों ने खरीदा था।

राजस्थान में कांग्रेस ने उम्मीदवार तो दमदार उतारे हैं, देखना होगा कि परिणाम क्या रहता है?

रमेश सर्राफ धमोरा

कांग्रेस की सूची में बीकानेर सुरक्षित सीट से गोविंदराम मेघवाल को प्रत्याशी बनाया गया है। गोविंदराम मेघवाल पिछला विधानसभा चुनाव खाजूवाला क्षेत्र से हार गए थे। वह पिछली गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री व पूर्व में भाजपा से भी विधायक रह चुके हैं।

राजस्थान में कांग्रेस पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 10 सीटों पर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। पिछले दो बार के लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 25 सीटों पर चुनाव हारने वाली कांग्रेस पार्टी इस बार चुनाव में फूंक फूंक कर कदम रख रही है। इसीलिए अब तक घोषित 10 प्रत्याशियों में से किसी भी पुराने प्रत्याशी को रिपीट नहीं किया गया है। हालांकि कांग्रेस के बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह चुनाव मैदान में नहीं उतरे हैं। यदि यह सभी नेता भी चुनाव मैदान में उतरते तो कांग्रेस बीजेपी में कड़ा मुकाबला देखने को मिलता। हालांकि अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को इस बार भी लोकसभा चुनाव में उतारा गया है। मगर उनका क्षेत्र बदलकर जोधपुर के स्थान पर जालौर-सिरोही कर दिया गया है। भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए चूरू के सांसद राहुल कस्वां को भी चूरू से प्रत्याशी बना दिया है। इसके साथ ही उदयपुर सीट पर आईएएस से इस्तीफा देने वाले ताराचंद मीणा को पार्टी ने प्रत्याशी बनाया है।

कांग्रेस की सूची में बीकानेर सुरक्षित सीट से गोविंदराम मेघवाल को प्रत्याशी बनाया गया है। गोविंदराम मेघवाल पिछला विधानसभा चुनाव खाजूवाला क्षेत्र से हार गए थे। वह पिछली गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री व पूर्व में भाजपा से भी विधायक रह चुके हैं। पिछली बार बीकानेर से मदन गोपाल मेघवाल को प्रत्याशी बनाया गया था। वहीं 2014 में पूर्व सांसद शंकर पन्नू को प्रत्याशी बनाया गया था। चूरू संसदीय सीट पर दो बार भाजपा से सांसद बने राहुल कस्वां को प्रत्याशी बनाया गया है। राहुल कस्वां के पिता रामसिंह कस्वां चूरू से चार बार सांसद रह चुके हैं। जिले में इन्होंने ही सबसे पहले भाजपा का खाता खोला था। मगर राहुल कस्वां का टिकट काट देने से वह कांग्रेस की तरफ से चुनाव लड़ेंगे। चूरू से पिछली बार रफीक मंडेलिया व 2014 में प्रताप पूनिया को प्रत्याशी बनाया गया था।

झुंझुनू सीट से विधायक बृजेंद्र ओला को प्रत्याशी बनाया गया है। चार बार के विधायक बृजेंद्र वाला गहलोत सरकार में परिवहन राज्य मंत्री थे। उनके पिता शीशराम ओला झुंझुनू से पांच बार सांसद, नौ बार विधायक, केंद्र व राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके थे। झुंझुनू से पिछली बार सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार को व 2014 में बृजेंद्र ओला की पत्नी राजबाला ओला को प्रत्याशी बनाया गया था। यादव मतदाताओं की बहुलता वाली अलवर सीट पर मुंडावर विधायक ललित यादव को प्रत्याशी बनाया गया है। ललित यादव ने पिछला विधानसभा चुनाव 34526 मतों से जीता था। अलवर से पिछले दो बार कांग्रेस से भंवर जितेंद्र सिंह चुनाव लड़कर बड़े अंतर से पराजित हुए थे। भरतपुर सुरक्षित सीट से संजना जाटव को प्रत्याशी बनाया गया है। जबकि पिछली बार अभिजीत कुमार जाटव व 2014 में डॉक्टर सुरेश जाटव प्रत्याशी थे। इस बार की प्रत्याशी संजना जाटव पिछला विधानसभा चुनाव कठूमर सीट से मात्र 409 मतों से हार गई थी। संजना जाटव अभी अलवर जिला परिषद की सदस्य हैं तथा मात्र 26 साल की उम्र से ही उसे लगातार कांग्रेस पार्टी से टिकट मिल रही है। संजना जाटव कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के अभियानों से जुड़ी हुई हैं। इसी के चलते उन्हें टिकट मिला है।

टोंक-सवाई माधोपुर सीट से कांग्रेस ने देवली विधायक हरीश मीणा को मैदान में उतारा है। जबकि पिछली बार उनके भाई नमोनारायण मीणा व उससे पहले क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन चुनाव लड़ चुके हैं। यहां से सचिन पायलट के चुनाव लड़ने की चर्चा थी। मगर उन्होंने अपने विश्वासपात्र हरीश मीणा को मैदान में उतार दिया है। हरीश मीणा 2014 में भाजपा से सांसद व 2018 तथा 2023 में कांग्रेस से विधायक का चुनाव जीत चुके हैं। वह पूर्व में राजस्थान पुलिस के डीजीपी रह चुके हैं।

जोधपुर में करण सिंह उचियारड़ा को प्रत्याशी बनाया गया है। पिछली बार वहां अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत उम्मीदवार थे। मगर 3 लाख वोटों से हार गए थे। 2014 में वहां से केंद्रीय मंत्री चंद्रेश कुमारी प्रत्याशी रही थीं। जोधपुर लोकसभा सीट को कभी पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का गढ़ माना जाता था। वह जोधपुर से पांच बार सांसद व छह बार विधायक का चुनाव जीत चुके हैं। मगर पिछले लोकसभा चुनाव में उनके पुत्र की करारी हार के चलते उन्होंने अपने पुत्र वैभव गहलोत को जोधपुर के स्थान पर जालौर-सिरोही सीट से प्रत्याशी बनवाया है। जोधपुर से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को लगातार तीसरी बार प्रत्याशी घोषित किया है।

जालौर-सिरोही सीट से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत चुनाव लड़ेंगे। पिछली बार यहां से रतन देवासी प्रत्याशी थे। जबकि 2014 में चित्तौड़गढ़ के रहने वाले उदयलाल आंजना को प्रत्याशी बनाया गया था। उदयपुर सीट से उदयपुर में कलेक्टर रह चुके ताराचंद मीणा को प्रत्याशी बनाया गया है। 2019 व 2014 में यहां से रघुवीर मीणा कांग्रेस प्रत्याशी रहे थे। चित्तौड़गढ़ सीट पर उदयलाल आंजना को प्रत्याशी बनाया गया है। आंजना गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री थे तथा पिछला विधानसभा चुनाव हार चुके हैं। चित्तौड़गढ़ में पिछली बार गोपाल सिंह शेखावत व 2014 में गिरिजा व्यास चुनाव लड़ चुकी हैं। उदयलाल आंजना 2014 में जालौर-सिरोही सीट से चुनाव लड़कर हार चुके हैं। चित्तौड़गढ़ में भाजपा से प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी तीसरी बार चुनाव लड़ने जा रहे हैं।

कांग्रेस ने इस बार तीन मौजूदा विधायक झुंझुनू से बृजेंद्र ओला, अलवर से ललित यादव, टोंक- सवाई माधोपुर से हरीश मीणा को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा सांसद राहुल कस्वां को चूरू से तथा पूर्व प्रशासनिक अधिकारी हरीश मीणा व ताराचंद मीना को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने तीन विधायकों को मैदान में उतार दिया है। वहीं पांच अन्य सीटों पर विधायकों कोटा से अशोक चांदना, दौसा से मुरारीलाल मीणा, राजसमंद से सुदर्शन सिंह रावत, बाड़मेर से हरीश चौधरी व करौली-धौलपुर से अनीता जाटव के नाम चल रहे हैं।

कांग्रेस में चर्चा है कि बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट भारतीय आदिवासी पार्टी को, सीकर सीट मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को तथा नागौर व बाड़मेर सीट राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को गठबंधन में दी जा सकती है। इसी के चलते इन सीटों पर अभी प्रत्याशियों के नाम तय नहीं किए गए हैं। हालांकि बाड़मेर से विधायक हरीश चौधरी गठबंधन का विरोध कर रहे हैं। वह बाड़मेर से सांसद रह चुके हैं तथा चाहते हैं कि कांग्रेस पार्टी का प्रत्याशी ही बाड़मेर सीट से चुनाव लड़े। इसी के चलते अभी गठबंधन की घोषणा नहीं हो पाई है। कांग्रेस के लिए इस बार का चुनाव वर्चस्व का सवाल बना हुआ है। विधानसभा में मिली हार के बाद कांग्रेस के पास यह सुनहरा अवसर है कि वह पिछली दो बार की हार को जीत में बदलकर अपना खोया जनाधार फिर से मजबूत करने की दिशा में अग्रसर हो।

संपादक की कलम से

कामदा सप्तमी व्रत से होती है सभी समस्याएं दूर

प्रज्ञा पाण्डेय

कामदा सप्तमी व्रत हिन्दू धर्म अपना एक अलग महत्व रखता है। ज्योतिष शास्त्र में कामदा सप्तमी व्रत का विशेष महत्व होता है। कामदा सप्तमी व्रत पूर्णतयः भगवान सूर्य को समर्पित होता है। शास्त्रों में इस व्रत को कामना पूर्ति के लिए खास माना गया है।

आज कामदा सप्तमी व्रत है, इस व्रत को करने से साधक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है, तो आइए हम आपको कामदा सप्तमी व्रत के महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

कामदा सप्तमी व्रत हिन्दू धर्म अपना एक अलग महत्व रखता है। ज्योतिष शास्त्र में कामदा सप्तमी व्रत का विशेष महत्व होता है। कामदा सप्तमी व्रत पूर्णतयः भगवान सूर्य को समर्पित होता है। शास्त्रों में इस व्रत को कामना पूर्ति के लिए खास माना गया है। कामनाओं को पूरा करने वाला यह व्रत पूरे वर्ष भर चलने वाला व्रत होता है। यह व्रत प्रत्येक शुक्ल सप्तमी को किया जाता है और हर चौमासे अर्थात्हर चार माह में इस व्रत का पारण करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इस व्रत को करने से स्वास्थ्य, धन, संतान और पद-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होती है। ब्रह्मा जी ने कामदा व्रत की महिमा और महत्व भगवान विष्णु जी बतायी थी।

कामदा सप्तमी का दिन विशेष रूप से भगवान सूर्य देव को समर्पित है। कामदा सप्तमी का व्रत भक्त मनोकामनाओं की पूर्ति हेतु करते हैं। प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी यह व्रत किया जाता है और हर चौमासे यानी कि चार माह में व्रत का पारण करना चाहिए। कामदा सप्तमी का व्रत इस बार 16 मार्च 2024 को रखा जाएगा। कामदा सप्तमी व्रत की महिमा स्वयं ब्रह्मा जी ने अपने श्रीमुख से भगवान विष्णु को बतायी थी। इस व्रत को उन लोगों को करने से विशेष लाभ मिलता है जिन्हें संतान नहीं होती है और जिन्हें धन संबंधी समस्याएं लगातार बनी रहती है। ग्रहों के राजा भगवान सूर्यदेव का आर्शीवाद जीवन में आ रही सभी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

कामदा सप्तमी का शुभ मूहूर्त

शुक्ल पक्ष सप्तमी
शनिवार, 16 मार्च 2024
15 मार्च 2024 रात्रि 10:09 बजे - 16 मार्च 2024 रात्रि 09:39 बजे

कामदा सप्तमी का महत्व

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार व्यक्ति का जीवन उसके जन्म कुण्डली पर निर्भर करता है। जिन व्यक्ति की कुण्डली में सूर्य नीच स्थान पर होता है उनके जीवन में काफी परेशानियां और धन आदि की हानि होती है। कामदा सप्तमी व्रत करने से इन सभी परेशानियों से निजात मिलता है। कामदा सप्तमी व्रत करने से व्यक्ति की कुण्डली में सूर्य बलवान होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

कामदा सप्तमी व्रत में ऐसे करें पूजा

शास्त्रों के अनुसार कामदा सप्तमी का दिन खास होता है इस दिन विशेष पूजा करें। इसके लिए षष्ठी को एक समय भोजन करके सप्तमी को निराहार रहकर, "खखोल्काय नमः" मन्त्र से सूर्य भगवान की पूजा करें और अष्टमी को तुलसी दल के समान अर्क के पत्तों का सेवन करें। प्रातः स्नानादि के बाद सूर्य भगवान की पूजा की जाती है सारा दिन "सूर्याय नमः" मन्त्र से भगवान का स्मरण किया जाता है। अष्टमी को स्नान करके सूर्य देव का हवन पूजन किया जाता है। सूर्य भगवान्का पूजन करके आज घी, गुड़ इत्यादि का दान किया जाता है और दूसरे दिन ब्राह्मणों का पूजन करके खीर खिलाने का विधान है। कामदा सप्तमी से एक दिन पूर्व षष्ठी को एक समय भोजन करके सप्तमी को निराहार रहकर, 'खरखोल्काय नमः' मंत्र से सूर्य भगवान की पूजा की जाती है. प्रातः स्नानादि के बाद सूर्य भगवान की पूजा की जाती है।

ज्ञान

जीवन के सभी कष्टों से मुक्ति दिला सकता है, यहां पढ़ें पौराणिक कथा

दिव्यांशी भदौरिया

जैन मान्यता के अनुसार जो व्यक्ति रोहिणी व्रत को पूरी श्रद्धा से रखता है उसके जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस व्रत को रखने से महिलाओं को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस साल मार्च में रोहिणी व्रत 16 मार्च को रखा जाएगा।

रोहिणी व्रत को जैन धर्म में काफी महत्वपूर्ण व्रत में से एक माना जाता है। जैन मान्यताओं के अनुसार, इस दिन सूर्योदय के बाद रोहिणी नक्षत्र पड़ता है, उस दिन रोहिणी व्रत रखा जाता है। बता दें कि, साल में 12 बार रोहिणी व्रत किया जाता है। इस साल मार्च में रोहिणी व्रत 16 मार्च को रखा जाएगा।

रोहिणी व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, चंपापुरी नाम का एक नगर था, जिसमें राजा माधव और रानी लक्ष्मीपति रहते थे। राजा के 7 पुत्र और 1 बेटी थी। बेटी का नाम रोहिणी था जिसका विवाह हस्तिनापुर के राजा अशोक से हुआ। एक समय हस्तिनापुर में एक मुनिराज आए और सभी को धर्मोपदेश दिया। तब राजा ने मुनिराज से पूछा कि आखिर उनकी रानी इतनी शांत क्यों रहती है?

इस पर मुनिराज ने एक कथा सुनाते हुए कहा कि इसी नगर में एक राजा था जिनका नाम वस्तुपाल था। उसी राजा का मित्र धनमित्र था, जिसकी बेटी का नाम दुर्गंधा था। धनमित्र हमेशा परेशान रहता था कि उसकी बेटी से कौन विवाह करेगा? क्योंकि उसकी बेटी में से हमेशा दुर्गंध आती रहती थी। धनमित्र में धन का लालच देकर अपने पुत्री का विवाह अपने मित्र के पुत्र श्रीषेण के साथ कर दिया। लेकिन उसकी दुर्गंध से परेशान होकर वह उसे एक महीने के अंदर ही वापस छोड़कर चले गए।

मुनिराज ने बताई वजह

जब मुनिराज अमृतसेन नगर में विहार करते हुए आए। तब धनमित्र ने अपनी पुत्री दुर्गंधा की व्यथा बताते हुए मुनिराज से उसके बारे में पूछा। तब उन्होंने कहा कि गिरनार पर्वत के पास एक नगर था, जहां राजा भूपाल का राज्य था। उनकी रानी का नाम सिंधुमती था। एक दिन राजा अपनी रानी के साथ वनक्रीड़ा कर रहे थे, तभी रास्ते में उन्होंने मुनिराज को देखा तब राजा ने रानी को मुनि के लिए भोजन की व्यवस्था करने को कहा। इस पर रानी गुस्सा होती है मुनिराज को कड़वी तुम्बी का भोजन बनाकर दे दिया। जिस कारण मुनिराज को अत्यंत कष्ट सहन करना पड़ा और उन्होंने अपने प्राण त्याग दिए। इस बात का पता राजा को चलने पर उन्होंने रानी को राज्य से निकाल दिया। जिसके बाद रानी के शरीर में कोढ़ हो गया और प्राण त्यागने के बाद वह नरक में गई। यह वही रानी है, जो तेरे घर दुर्गंधा के रूप में उत्पन्न हुई है।

इस तरह से किया गया व्रत

इतना सुन धनमित्र ने अपनी पुत्री के लिए उपाय पूछा। तब मुनिराज ने उसकी कन्या को सम्यग्दर्शन सहित रोहिणी व्रत का पालन करने को कहा। इस व्रत में जिस दिन रोहिणी नक्षत्र आए उस दिन चारों तरह के आहार का त्याग करना था। इस तरह इस व्रत को 5 वर्ष करना था। दुर्गंधा ने मुनिराज के अनुसार पूरी श्रद्धा से इस व्रत को किया और मरणोपरान्त उसे स्वर्ग की प्राप्ति हुई। अगले जन्म में दुर्गंधा ही अशोक की रानी बनीं। यह माना जाता है कि जो भी इस व्रत को करता है उसके सभी पाप नष्ट होतें और उसे मरणोपरांत स्वर्ग की प्राप्ति होती है।

दिग्विजय सिंह ने कहा- सियासत का सुनहरा दौर गुजर गया, जिसे हम लोगों ने जिया

दिग्विजय सिंह ने कहा कि जनता की चुनी हुई सरकारें दिन दहाड़े तोड़ी जा रही हैं। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र में क्या हुआ, कोई नहीं भूलेगा। सभी संवैधानिक संस्थाएं निष्क्रिय कर दी गई हैं। चुनाव आयोग सरकार का पंगु बना हुआ है। स्वतंत्र रूप से निर्णय नहीं ले पाते।

डॉ. रमेश ठाकुर

प्रदूषित राजनीति में अब नैतिकता नाम की कोई चीज नहीं बची। चारों ओर गद्दारी, बेवफाई, स्वार्थ का बोलबाला पनपा है। पार्टी ने जिस नेता को सब कुछ दिया, मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री की कुर्सी तक बिठाया। लेकिन, जब पार्टी के दिन थोड़े से उन्नीस-बीस हुए, तो नेताओं ने पाला बदलने में तनिक देरी नहीं की। कमोबेश, ऐसी तस्वीरें मौजूदा वक्त में रोजना देखने को मिल रही हैं। पार्टियां छोड़कर भाजपा में अन्य दलों के नेता एक-एक करके शामिल हो रहे हैं। इसी मुद्दे पर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस के टॉप सीनियर लीडर दिग्विजय सिंह से डॉ. रमेश ठाकुर ने बातचीत की। पेश हैं बातचीत के मुख्य हिस्से-

प्रश्नः पाला बदलने वाले नेताओं को आप कैसे देखते हैं?

उत्तर- अपन को देखने की जरूरत नहीं? ये कार्य जनता जर्नादन पर छोड़ देना चाहिए। लेकिन मौजूदा बदलती सियासी परिस्थियों को देखकर बहुत दुख होता है कि गंदी और बदनुमा राजनीति का दौर कितनी तेजी से आरंभ हुआ है। इन बदली परिस्थितियों का श्रेय भाजपा को दिया जाना चाहिए। क्योंकि उन्होंने नेताओं को लोभी-लालची बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। हालांकि, ऐसे नेताओं को जनता चुनावी अखाड़े में अच्छे से सबक सिखाती हैं। सभी जानते हैं कि मुल्क की तरक्की की प्रत्येक विधा में सियासत सीधा वास्ता रखती है। पर, राजनेता की स्वार्थी हरकतों ने राजनीति की विश्वसनीयता को गहरी ठेस पहुंचा दी है। अगर मैं दिल से कहूं तो राजनीति का बेहतरीन और सुनहरा वक्त गुजर चुका है जिसे हम जैसे लोगों ने जिया है। नेता अब जनहित की नहीं, बल्कि स्वार्थहित की राजनीति करने के लिए पार्टियों से जुड़ते हैं।

प्रश्नः क्या ये सिलसिला रुकेगा भी कभी, या फिर यूं ही चलता रहेगा?

उत्तर- जनता की चुनी हुई सरकारें दिन दहाड़े तोड़ी जा रही हैं। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र में क्या हुआ, कोई नहीं भूलेगा। सभी संवैधानिक संस्थाएं निष्क्रिय कर दी गई हैं। चुनाव आयोग सरकार का पंगु बना हुआ है। स्वतंत्र रूप से निर्णय नहीं ले पाते। सांसद-एमएलए पर जांच एजेंसियों का पहरा बिठा दिया गया है। विपक्ष के नेताओं और मंत्रियों को डर-भय दिखाकर पार्टी व सरकारों को छोड़ने का दबाव डाला जाने लगा है। सियासी दलों में दो फाड़ किए जा रहे हैं। आपस में लड़ाया-भिड़ाया जा रहा है। ऐसे ज्यादातर नेता अपने से नहीं, बल्कि मजबूरी में अपने वास्तविक दल छोड़कर भाजपा में जा रहे हैं। जहां तक सिलसिला रुकने का सवाल है, तो मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि भाजपा के जाते ही ये सिलसिला अपने आप थम जाएगा। उन्होंने साफ-सुथरी राजनीति में जो गंदगी फैलाई है, उसे देश की जनता देख रही है। बेईमानी करके चुनाव जीत रहे हैं।

प्रश्नः कांग्रेसियों की भाजपा में जाने की भगदड़ को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा अब 'कांग्रेस युक्त' हो गई है?

उत्तर- जबकि इनका नारा था 'कांग्रेस मुक्त' भारत का? देखना जितने नेता वहां पहुंचे हैं, एक दिन दोबारा अपने घरों को लौटते हुए दिखाई देंगे। यही नहीं, खुद भाजपाई भी इधर-उधर होंगे, दूसरे ठिकाने तलाशेंगे। क्योंकि वो सभी हाशिए पर आ गए हैं। भाजपा चुनावों में टिकट, पद और सम्मान दूसरे दलों से आए नेताओं को दे रही है, जबकि उनके अपने नेता मुंह ताक रहे हैं। ऐसे में अगर कोई नेता पार्टी छोड़ता है तो उसके साथ जनता की सहानुभूति भी रहती है। पर, लालचियों से हर कोई तौबा करता है। भाजपा ने अपने यहां दूसरे दलों से आधे से ज्यादा नेता भर लिए हैं। उन सभी को संभालना, उनक इच्छापूर्ति करना बड़ी चुनौती होगी। भाजपा बाहरी सभी नेताओं को टिकट नहीं दे सकती? संगठन में पद भी नहीं दे सकती। सोचने वाली बात है जब, उनके हाथ कुछ नहीं लगेगा, तो वह खिसकने में देर नहीं करेंगे। तब, मजबूरी में भागेंगे इधर-उधर?

प्रश्नः पार्टी तो पहले के नेता भी छोड़ते-बदलते थे?

उत्तर- पर उनका तरीका अलग और अलहदा होता है। तब ऐसा करने वाले नेताओं पर कोई उंगली नहीं उठाता था, बकायदा उनके चाहने वाले समर्थन स्वागत करते थे। पार्टी छोड़ने या नया दल बनाने के फैसला भी अपने कार्यकर्ताओं के कहने पर किया करते थे। अभावग्रस्त और हाशिए पर धकेले हुए नेता दल बदलते थे, या फिर अपनी कोई पार्टी बना लेते थे। जेपी आंदोलन के बाद कई राज्यों में छोटे-छोटे दल बने। जो धीरे-धीरे प्रभावशाली हुए। कांग्रेस से छिटक कर भी कई नेताओं ने अपनी पार्टियां बनाईं। लेकिन आज के नेता टिकट मिलने और मंत्री बनने की लालच में ही खुद के ईमान का सौदा कर लेते हैं। न अपने समर्थकों से राय लेते हैं और न कार्यकर्ताओं की भावनाओं का ख्याल रखते हैं। सिर्फ अपने हित का ध्यान रखते हैं

प्रश्नः आपको नहीं लगता, ऐसे में दल-बदल कानून को और प्रभावी करने की जरूरत है?

उत्तर- प्रभावी नहीं, बल्कि मेरे ख्याल से अलग से कठोर कानून बनना चाहिए। जब तक बंदिशें नहीं बढ़ेंगी, ऐसे अनैतिक कार्यों पर अंकुश नहीं लगेगा। वैसे, अगर सभी स्थितियों-परिस्थितयों पर गौर से मंथन करें, तो दल-बदल की स्थिति तब होती है, जब किसी भी दल के सांसद या विधायक अपनी मर्जी से पार्टी छोड़ते हैं या पार्टी व्हिप की अवहेलना करते हैं। उस स्थिति में सदस्यता को समाप्त किया जा सकता है और उन पर दल-बदल निरोधक कानून भी लागू किया जा सकता है। लेकिन, ये नियम महाराष्ट्र में हमें निष्प्रभावी दिखाई पड़ा। कानून होने के बावजूद भी फैसला एकपक्षीय दिखा। भाजपा ने चुनी हुई सरकार को तोड़कर, खुलेआम अपनी मनमानी की।

माता सीता को मुंह दिखाई में मिला था अयोध्या का यह महल

अनन्या मिश्रा

पिछले कुछ समय से पूरे भारत में अयोध्या स्थित राम मंदिर की चर्चा चल रही है। आज हम आपको एक ऐसे महल के बारे में बताने जा रहे हैं, जो माता सीता को मुंह दिखाई में मिला था।

पिछले कुछ समय से पूरे भारत में अयोध्या स्थित राम मंदिर की चर्चा चल रही है। 22 जनवरी 2024 का दिन इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए दर्ज हो गया है। क्योंकि 22 जनवरी 2024 को अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद एक फेमस धार्मिक स्थल बन गया है। अयोध्या स्थित राम मंदिर कई चीजों के लिए फेमस है। भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में कई ऐसे धार्मिक स्थल, भवन, इमारत, मंदिर और महल मौजूद हैं। जो किसी न किसी रूप में रामायण काल से जुड़ी है।

आपको बता दें कि प्रभु राम की नगरी आयोध्या में एक ऐसा महल भी है, जिसके बारे में बताया जाता है यह माता सीता को मुंह दिखाई में मिला था। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस महल से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में बताने जा रहे हैं।

बताया जाता है कि माता सीता को मुंह दिखाई में जो महल मिला था, उसका नाम 'कनक भवन' था। जब प्रभु श्रीराम जनक नंदनी से विवाह के बाद अयोध्या पहुंचे थे, तो महारानी कैकेयी ने मां सीता को मुंह दिखाई में उपहार स्वरूप कनक महल दिया था। मान्यता के मुताबिक देवी सीता और प्रभु श्रीराम का यह कनक महल निजी महल हुआ करते थे। हर दिन हजारों की संख्या में इस महल को देखने के लिए लोग अयोध्या पहुंचते हैं। वर्तमान समय में कनक महल अयोध्या के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है।

देवशिल्पी विश्वकर्मा ने बनाया था कनक महल

कनक महल के निर्माण के पीछे एक दिलचस्प कहानी है। एक दिन महारानी कैकेयी ने अपने सपने में एक दिव्य महल देखा। अगले दिन महारानी ने राजा दशरथ से अपने स्वप्न के बारे में बताया और ठीक वैसा ही महल बनवाने की इच्छा जताई। महारानी कैकेयी की महल बनवाने की इच्छा के बाद महाराजा दशरथ ने देवशिल्पी विश्वकर्मा जी को बुलाकर एक भव्य और सुंदर महल का निर्माण करवाया था। वहीं प्रभु राम की शादी के बाद माता सीता के अयोध्या आने पर महारानी कैकेयी ने उन्हें मुंह दिखाई में कनक महल दिया था।

कनक महल की पौराणिक कथा

कनक महल की पौराणिक कथा बहुत दिलचस्प है। लोक मान्यता के अनुसार, द्वापर युग में प्रभु श्रीकृष्ण अपनी पटरानी रुक्मिणी समेत अयोध्या पहुंचे, तब कनक भवन खंडहर बन चुका था। लेकिन फिर भी भगवान श्रीकृष्ण को टीले पर आनंद आता था। ऐसे में भगवान श्रीकृष्ण ने दिव्य दृष्टि से देखा कि यह कनक महल है। तब श्रीकृष्ण ने अपने योगबल से श्री सीताराम की मूर्तियों को प्रकट कर स्थापित किया था।

महल का जीर्णोद्धार

कनक महल में स्थापित शिलालेखों से जानकारी मिलती है, इस महल का कई बार जीर्णोद्धार किया जा चुका है। बताया जाता है कि सबसे पहले श्रीराम के पुत्र कुश ने कनक महल का जीर्णोद्धार कराया था। साथ ही उन्होंने महल में भगवान श्रीराम और मां सीता की मूर्तियां स्थापित करवाई थीं। वहीं कुश के बाद श्रीकृष्ण ने इस महल का पुनर्निमाण करवाया था। इसके अलावा चक्रवर्ती सम्राट महाराजा विक्रमादित्य और समुद्रगुप्त द्वारा भी इस महल का पुनर्निर्माण किया था। बताया जाता है कि वर्तमान समय में महल का जो स्वरूप मौजूद है, उसको राजा सवाई महेंद्र प्रताप सिंह की पत्नी महारानी वृषभानु द्वारा बनवाया गया है।

बेहद खास हैं कनक भवन की मूर्तियां

कनक महल को मंदिर के तौर पर भी जाना जाता है। मंदिर के गर्भगृह में प्रभु श्रीराम, मां सीता, श्रीलक्ष्मण और भरत-शत्रुघ्न विराजमान हैं। अयोध्या का यह इकलौता ऐसा महल है, जहां पर प्रभु श्रीराम माता सीता के साथ अपने भाइयों के साथ विराजमान हैं।

इस समय घूमने जाएं

वैसे तो आप कभी भी कनक महल घूमने के लिए जा सकते हैं। गर्मियों में सुबह 08 बजे से लेकर रात के 09 बजे तक घूम सकते हैं। वहीं सर्दियों में सुबह 09 बजे से रात 08 बजे के बीच घूमने के लिए जा सकते हैं।

इस हफ्ते आने वाले हैं ये IPO, निवेश करने से पहले जान लीजिए पूरा हिसाब-किताब

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए आईपीओ अच्छा रिटर्न कमाने वाले मौके के रूप में आते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपको कंपनियों की पूरी डिटेल पता हो। सोमवार से शुरू हो रहे हफ्ते में दो कंपनियों- चाथा फूड्स और विश्वास एग्री फूड्स के आईपीओ आने वाले हैं। आइए इनकी पूरी डिटेल जानते हैं कि ये कंपनियां क्या करती हैं और इनका आईपीओ कब खुलेगा।

नई दिल्ली। पिछले कुछ महीनों से हर हफ्ते कंपनियां अपना IPO ला रही हैं। इस बार भी सोमवार यानी 18 मार्च से शुरू होने वाले हफ्ते में दो कंपनियों के IPO आ रहे हैं। आइए इनके बारे में विस्तार से जानते हैं।

चाथा फूड्स (Chatha Foods) के आईपीओ को निवेशक 19 मार्च से 21 मार्च तक सब्सक्राइब कर सकते हैं। यह एक फ्रोजन फूड प्रोसेसर है। चाथा फूड्स होरेका सेगमेंट (HoReCa segment) यानी होटल, रेस्तरां और कैफे/कैटरिंग की डोमिनोज, सबवे, कैफे कॉफी डे और वोक एक्सप्रेस जैसी दिग्गज कंपनियों को सर्विस देता है।

चाथा फूड्स का इश्यू पूरी तरह से 59.62 लाख शेयरों की फ्रेश इक्विटी बिक्री है। कंपनी का आईपीओ के जरिए 34 करोड़ रुपये जुटाने का प्लान है। प्राइस बैंड 53-56 रुपये के बीच है। निवेशक एक लॉट में 2000 शेयरों के लिए और फिर मल्टीपल में कई शेयरों में बिड लगा सकते हैं।

जगन मोहन रेड्डी के आंध्र प्रदेश और लेफ्ट के केरल में सबसे महंगे पेट्रोल-डीजल, जानिए किन राज्यों में सस्ता है रेट

परिवहन विशेष न्यूज

पेट्रोल और डीजल का दाम मुख्य तौर पर केंद्र सरकार के मालिकाना हक वाली ऑयल कंपनियां तय करती हैं। लेकिन राज्य सरकारें पेट्रोल-डीजल पर लोकल सेल्स टैक्स या फिर वैट लगाती हैं। हर राज्य में यह अलग-अलग होता है और इसी हिसाब से वहां कीमतें भी कम या ज्यादा होती हैं। आइए जानते हैं कि किस राज्य में पेट्रोल-डीजल सबसे महंगे हैं और किस राज्य में सबसे सस्ते।

नई दिल्ली: पिछले दिनों केंद्र सरकार के मालिकाना हक वाले फ्यूल रिटेलर्स ने पेट्रोल और डीजल के रेट में दो रुपये प्रति लीटर के हिसाब से कटौती की थी। यह करीब साल भर के अंतराल के बाद पेट्रोल-डीजल के दाम में पहला बदलाव था।

लेकिन, राज्य सरकारें पेट्रोल-डीजल पर लोकल सेल्स टैक्स या फिर वैट लगाती हैं। हर राज्य में यह अलग-अलग होता है और इसी हिसाब से वहां कीमतें भी कम या ज्यादा होती हैं। आइए जानते हैं कि किस राज्य में पेट्रोल-डीजल सबसे महंगे हैं और किस राज्य में सबसे सस्ते।

सबसे सस्ता अंडमान और निकोबार द्वीप

अंडमान और निकोबार द्वीप में पेट्रोल सबसे सस्ता है। यहां आपको एक लीटर के लिए सिर्फ 82 रुपये चुकाना होगा। अगर आंध्र प्रदेश से तुलना करें, तो यहां दाम 27.87 रुपये सस्ता है। इसके बाद सिलवासा और दमन है, जहां यह 92.38-92.49 रुपये प्रति लीटर है। अन्य छोटे राज्यों में भी स्थानीय वैट कम है, जिससे पेट्रोल सस्ता हो गया है। जैसे कि दिल्ली (94.76 रुपये), गोवा (95.19 रुपये), मिजोरम (93.68 रुपये), और असम (96.12 रुपये)।

डीजल के मामले में भी यही हाल

अगर डीजल की कीमतों पर नजर डालें, तो यहां भी कहानी कमोबेश पेट्रोल जैसी ही है। आंध्र प्रदेश के अमरावती में डीजल 97.6 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में 96.41 रुपये प्रति लीटर और छत्तीसगढ़ के रायपुर में 93.31 रुपये प्रति लीटर है।

डीजल भी अंडमान और निकोबार द्वीप में ही सबसे सस्ता है और 78 रुपये प्रति लीटर मिलता है। दिल्ली में मेट्रो शहरों में सबसे कम वैट है और यहां डीजल की कीमत 87.66 रुपये प्रति लीटर है। गोवा में दाम 87.76 रुपये प्रति लीटर है।

जगन मोहन रेड्डी का आंध्र प्रदेश सबसे महंगा

YS जगन मोहन रेड्डी की YSRCP की अगुआई वाले आंध्र प्रदेश में पेट्रोल 109.87 रुपये प्रति लीटर है। लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (LDF) के शासन वाले केरल में उपभोक्ता एक लीटर पेट्रोल के लिए 107.54 रुपये चुका रहे हैं। कांग्रेस का तेलंगाना 107.39 रुपये प्रति लीटर के साथ लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं।

बीजेपी के शासन मध्य प्रदेश में पेट्रोल का दाम 106.45, बिहार में 105.16, राजस्थान में 104.86 और महाराष्ट्र में 104.19 रुपये प्रति लीटर है। ममता बनर्जी की टीएमसी शासित पश्चिम बंगाल में कीमत 103.93 रुपये प्रति लीटर है।

बिना Voter ID Card के भी दे सकते हैं वोट, वोटर लिस्ट में ऑनलाइन ऐसे चेक करें अपना नाम

परिवहन विशेष न्यूज

Lok Sabha Election 2024 आपने वोटर आईडी कार्ड के लिए अप्लाई किया था लेकिन आपका वोटर आई डी कार्ड आपके पास नहीं है।

नई दिल्ली। Lok Sabha Election 2024: लोकसभा चुनाव की तारीखों का एलान हो गया है। इस बार भी पिछली बार की तरह चुनाव 7 चरणों में होने जा रहे हैं।

पहले चरण के चुनाव 19 अप्रैल को होंगे। इसके बाद दूसरे चरण के चुनाव 26 अप्रैल को होंगे।

7 मई को तीसरे, 13 मई को चौथे, 20 मई को पांचवे और 25 मई को छठवें चरण के चुनाव होंगे। 1 जून को आखिरी चरण और 4 जून को चुनाव के नतीजों की घोषणा होगी।

बिना वोटर आईडी कार्ड के कैसे डालें वोट?

अगर आपकी उम्र भी इस वर्ष 18 वर्ष हो चुकी है या 18 वर्ष से अधिक है और वोट देने की तैयारी कर रहे हैं तो ये जानकारी आपके लिए ही है।

वोट डालने के लिए आपका रजिस्टर्ड होना जरूरी है। वोटर आईडी कार्ड के लिए अप्लाई किया था, लेकिन वोटर आईडी आपके पास नहीं है तो भी वोट डाला जा सकता है।

हालांकि, अगर आपका नाम वोटर लिस्ट में नहीं होगा तो आप वोट नहीं डाल सकते हैं।

ऐसे में वोटर लिस्ट में नाम चेक करने की सलाह दी जाती है। वोटर लिस्ट में नाम चेक करने का प्रोसेस बेहद आसान है। आइए जानते हैं, वोटर लिस्ट में आप अपना नाम ऑनलाइन किस तरह चेक कर सकते हैं-

वोटर लिस्ट में ऑनलाइन ऐसे चेक करें अपना नाम

- सबसे पहले https://electoralsearch.eci.gov.in/ पर आना होगा।
- यहां वोटर लिस्ट में नाम चेक करने के लिए तीन तरीकों Search by Details, Search by EPIC, Search by Mobile में से एक को चुनना होगा।

पहला विकल्प

- अब Search by Details के साथ आपको आपके नाम, पिता का नाम, जेंडर और डेट ऑफ बर्थ की जानकारी देनी होगी।
- इसके साथ ही जिला और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की जानकारी देनी होगी।
- कैप्चा कोड एंटर करने के साथ ही आपकी डिटेल्स स्क्रीन पर नजर आएंगी।

दूसरा विकल्प

- अगर आप डिटेल्स के जरिए सर्च नहीं करना चाहते हैं तो Search by EPIC के साथ वोटर लिस्ट में नाम चेक कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए आपके पास EPIC नंबर होना जरूरी है।
- अब EPIC नंबर और राज्य की डिटेल्स शेयर करनी होंगी।
- कैप्चा कोड एंटर करने के साथ ही आपकी डिटेल्स स्क्रीन पर नजर आएंगी।

तीसरा विकल्प

- अगर आपका मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड है तो आप Search by Mobile विकल्प का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- आपको अपने मोबाइल नंबर और कैप्चा कोड एंटर करने की जरूरत होगी।
- कैप्चा कोड एंटर करने के साथ ही आपकी डिटेल्स स्क्रीन पर नजर आएंगी।

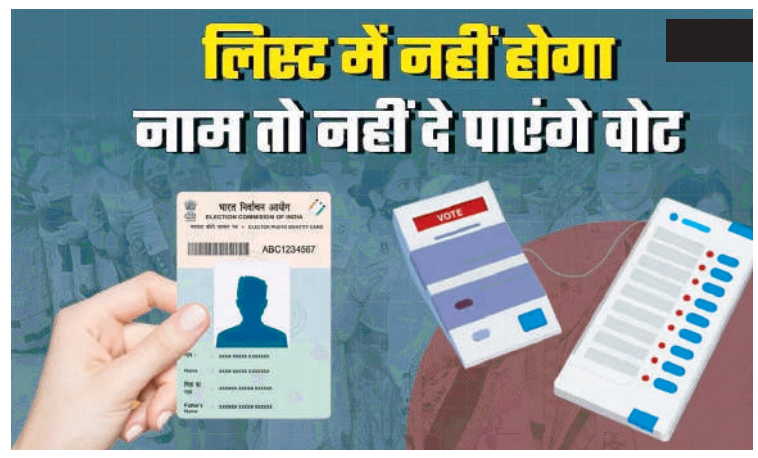

इंसान नहीं, रोबोट कर रहा काम, बीते 10 वर्षों में बदली चीन की तस्वीर; बेरोजगारी की ओर बढ़ रहा देश

इंसानों की जगह कम खर्च और समय में रोबोट से काम करवाए जा सकते हैं। इस कड़ी में रोबोट का इस्तेमाल सबसे ज्यादा करने वाले देशों की लिस्ट में चीन का नाम शीर्ष पर है। चीन के लगभग हर उद्योग में रोबोट का इस्तेमाल हो रहा है। रोबोट इंडस्ट्री की वजह से चीन की तस्वीर पिछले 10 वर्षों में पूरी तरह बदल चुकी है।

नई दिल्ली। क्या मशीन इंसानों की जगह ले सकती है? यह सवालों लंबे समय से बहस का मुद्दा बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर, एआई टेक्नोलॉजी का तेजी से विकास इंसानों की नौकरियों पर खतरा बनता नजर आ रहा है।

विकसित ही नहीं, विकासशील देशों में भी इसका प्रभाव देखने को मिला है। बीते 10 सालों में विकासशील देशों की तस्वीर बदली हैं।

इंसानों की जगह रोबोट ले रहे हैं और इसका परिणाम बढ़ती बेरोजगारी बन रही है।

10 वर्षों में बदली चीन की तस्वीर

विश्व अर्थव्यवस्था रैंकिंग में दूसरे स्थान पर रहने वाले देश चीन की ही बात करें तो ऑटोमेशन के साथ पिछले एक दशक में यहां की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है।

चीन की वर्तमान स्थिति को लेकर अमेरिकी थिंक टैंक इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड इन्नोवेटिव फाउंडेशन (आईटीआईएफ) की एक लेटेस्ट रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में चीन को लेकर कुछ चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

बेरोजगारी की वजह बन रहे हैं रोबोट

इस रिपोर्ट के मुताबिक रोबोट की वजह बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है और इसका सबसे ज्यादा प्रभाव चीन पर पड़ा है।

चौंकाने वाले तथ्यों में सामने आया है कि जानकारों ने अलग-अलग उद्योगों में काम कर रहे रोबोटों की संख्या का जिनता अनुमान लगाया था वह इससे 12.5 गुना ज्यादा है।

ऑटोमेशन की ओर बढ़ रहे चीन की स्थिति ऐसी है कि यहां लगभग हर उद्योग में इंसान की जगह रोबोट काम कर रहे हैं।

सबसे चौंकाने वाले तथ्यों में एक यह कि दुनिया भर के उद्योगों में काम करने वाले कुल रोबोटों का 52 प्रतिशत चीन में कार्यरत हैं।

आईटीआईएफ के अध्यक्ष और इस रिपोर्ट को तैयार करने वाले रॉबर्ट डी एटकिंसन कहते हैं कि रोबोटों की यह संख्या पिछले 10 वर्षों में बढ़ी है। एक दशक पहले रोबोटों की यह संख्या 14% थी।

भारत को विकसित बनाने में Real Estate Sector का होगा बड़ा रोल, आजादी के 100 साल पूरा होने पर देगा बड़ा तोहफा

भारत का रियल एस्टेट सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। अगले एक दशक में इसका मार्केट साइज 1.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं आजादी के 100 साल पूरा होने तक इसकी वैल्यू 5.17 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी। आइए जानते हैं कि आने वाले समय में रियल एस्टेट का जीडीपी ग्रोथ में कितना योगदान रहेगा और क्या इससे रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे।

नई दिल्ली। भारत का रियल एस्टेट सेक्टर काफी तेजी से तरक्की कर रहा। इसका मौजूदा मार्केट साइज करीब 300 अरब डॉलर यानी 24 लाख करोड़ रुपये है। अगले एक दशक यानी साल 2034 तक रियल एस्टेट सेक्टर की वैल्यू 1.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी। अगर आजादी के 100वीं वर्षगांठ यानी 2047 की बात करें, तो इसका मार्केट साइज 5.17 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा।

मार्केट साइज में आवासीय क्षेत्र की बड़ी हिस्सेदारी

यह जानकारी रियल एस्टेट सेक्टर के शीर्ष संगठन- कन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) ने अपनी एक रिपोर्ट में दी है। इसका नाम- 'Building Viksit Bharat- Transformative role of the real estate sector in India' है। क्रेडाई ने बताया कि भारत का रियल एस्टेट का बाजार जो अभी 24 लाख करोड़ रुपये का है, इसमें आवासीय क्षेत्र की हिस्सेदारी 80 फीसदी है। वहीं, 20 फीसदी वाणिज्यिक कामकाज होता है।

रियल एस्टेट सेक्टर का इकोनॉमी में अहम रोल

क्रेडाई का मानना है कि आने वाले वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था में रियल एस्टेट सेक्टर की काफी अहम भूमिका होगी। इसकी रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2034 तक जब रियल एस्टेट सेक्टर 1.3 अरब डॉलर तक पहुंचेगा, तो अनुमानित जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी 13.8 फीसदी होगी। वहीं, आजादी के सौवें साल में यह आंकड़ा बढ़कर 17.5 फीसदी हो जाएगा।

45 लाख रुपये से ऊपर वाले घरों की डिमांड अधिक

इस वक्त आवासीय सेगमेंट 45 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले घरों की डिमांड अधिक है। इसकी कुल सप्लाई में हिस्सेदारी करीब 61 फीसदी है। क्रेडाई का यह भी अनुमान है कि 2030 तक 7 करोड़ यूनिट अतिरिक्त आवास मांग होगी। भारतीय खरीदारों की पसंद को देखते हुए क्रेडाई का यह भी मानना है कि 2030 तक 45 लाख रुपये से अधिक की लागत वाले घरों डिमांड 87.4 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी।

रोजगार, आमदनी भी बढ़ाएगा सेक्टर

क्रेडाई का कहना है कि रियल एस्टेट सेक्टर देश के समग्र विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देगा। यह रोजगार बढ़ाएगा और बैंकिंग इको-सिस्टम के लिए राजस्व पैदा करेगा। साथ ही, इससे प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि होगी। क्रेडाई के चेयरमैन मनोज गौड़ ने कहा, 'विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में रियल एस्टेट सेक्टर का काफी अहम रोल रहेगा। इसकी झलक हाल ही जारी हुए मजबूत तिमाही जीडीपी ग्रोथ में भी दिखी।'

E-commerce उद्योग में बढ़ेगी सात लाख गिग नौकरियां, फेस्टिव सीजन में बढ़ी अस्थायी कर्मचारियों की डिमांड

नई दिल्ली। साल 2023 की दूसरी छमाही में ई-कामर्स उद्योग में सात लाख गिग नौकरियां सृजित हो सकती हैं। इसका कारण यह है कि कंपनियां त्योहारी सीजन के दौरान ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए अस्थायी कर्मचारियों की संख्या बढ़ा रही हैं।

त्योहारी सीजन में गिग नौकरियों की संख्या में होगी बढ़ोतरी

स्टाफिंग कंपनी टीमलीज सर्विसेज की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ई-कामर्स कंपनियों त्योहारी सीजन से पहले वार्षिक खरीदारी के दौरान उपभोक्ताओं की मांगों को पूरा करने के लिए कमर कस रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष त्योहारी सीजन में पिछले वर्ष के मुकाबले गिग नौकरियों की संख्या में 25 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

इन शहरों में गिग वर्कर्स की बढ़ेगी मांग

इससे संकेत मिलता है कि ई-कामर्स उद्योग परिदृश्य को लेकर काफी आशावादी है। फेस्टिव सीजन के दौरान न केवल बेंगलुरु, दिल्ली, मुंबई जैसे टियर-1 शहरों में गिग वर्कर्स की मांग बढ़ेगी, बल्कि वड़ोदरा, पुणे और कोयंबटूर जैसे टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी इनकी संख्या में वृद्धि होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बड़े शहरों के मुकाबले छोटे शहरों में वेयर हाउस संचालन, अंतिम पायदान तक डिलिवरी और कॉल सेंटर संचालन से जुड़े लोगों की मांग ज्यादा है। इसका मुख्य कारण ग्रामीण क्षेत्रों में मांग के वापस लौटने का अनुमान है।

लोकसभा चुनाव 2024- बुजुर्ग और दिव्यांगता वाले व्यक्ति घर से ही डाल सकेंगे अपना वोट

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। वर्ष 2024 के लिए होने जा रहे लोकसभा चुनाव में 85 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग और 40 प्रतिशत से ज्यादा दिव्यांगता वाले व्यक्ति घर से ही अपना वोट डाल सकेंगे। चुनाव आयोग ने इसके लिए विशेष प्रबंध किए हैं। भारतीय चुनाव आयोग के मुताबिक, देश भर में 85 वर्ष से अधिक के कुल 82 लाख मतदाता हैं। 100 साल से ज्यादा उम्र के 2.18 लाख मतदाता हैं और दिव्यांगजनों की संख्या 88.4 लाख है।

आयोग के मुताबिक घर से वोट डालने के इच्छुक ऐसे मतदाताओं को एक फॉर्म भरना होगा। इसके लिए एक ऐप का उपयोग किया जा सकता है। फॉर्म भर कर जमा करवाने के बाद बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाता अपने घर से ही मतदान कर सकेंगे। बुजुर्ग मतदाताओं के लिए यह सुविधा प्रदान करने के साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि यह देखा गया है कि बुजुर्ग मतदाता मतदान केंद्र में पहुंचकर मतदान करना अधिक पसंद करते हैं। यही कारण है कि मतदान केंद्रों पर बुजुर्गों की सहायता के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

भारतीय चुनाव आयोग के मुताबिक, सभी मतदान केंद्रो पर पीने के पानी, टॉयलेट, साइनेज, दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर, रैंप, सहायता केंद्र, वोटर फैसिलिटेशन सेंटर, पर्याप्त बिजली और शेड की व्यवस्था की जाएगी। भारतीय चुनाव आयोग ने इस बार जो सुविधा बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए की है, वह बेहद अलग है। उन्होंने सभी 10 लाख 48 हजार मतदाता केंद्रों पर वॉलिंटियर्स और व्हीलचेयर का होना सुनिश्चित किया है। इसके साथ ही दिव्यांग और बुजुर्गों के लिए ट्रांसपोर्ट की फैसिलिटी भी प्रोवाइड कराए जाने की बात की गई है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया है कि 'सक्षम' ऐप के जरिए दिव्यांगजन ये सभी सुविधाएं ले सकते हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा है कि सभी पोलिंग स्टेशन पर सुनिश्चित किया जाए कि जब वहां कोई भी बुजुर्ग या दिव्यांग पहुंचे तो वहां पर वॉलिंटियर मौजूद हो और पर्याप्त संख्या में व्हील चेयर की मौजूदगी भी सुनिश्चित की जाए।

गौरतलब है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। देश भर में 7 चरणों में चुनाव होंगे। भारतीय चुनाव आयोग ने शनिवार को ये घोषणा की। मुख्य चुनाव अधिकारी राजीव कुमार ने कहा कि देशभर के सभी 10 लाख 48 हजार मतदान केंद्रों पर सभी बेसिक सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

भारत देश के 21 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी नागरिको के लिए सुनहरा मौका

संजय बाटला

नई दिल्ली। भारत देश में कल दोपहर 3 बजे मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ने संसद सदस्यों के लिए 542 नई रिक्तियों की घोषणा की। इन सभी 542 पदो पर आवेदन करने के लिए आवेदक बिना किसी अनुभव, किसी योग्यता या आयु प्रतिबंध के आवेदन कर सकते है यह एक असाधारण अवसर है जो पांच साल में सिर्फ एक बार ही भारत देश के नागरिक को मिलता है इसलिए जल्द आवेदन कर पद प्राप्त करने की दौड़ में शामिल हो। इस पद पर विराजमान होने वाले सफल आवेदको को

1. वेतन प्रभावशाली रु. 1,90,000 प्रति माह वह भी कार्यालय में उपस्थित हुए बिना और अतिरिक्त रु. 2000 पद पर रहते हुए प्रति दिन,

2. सफल आवेदको को अपने और परिवार के लिए मुफ्त आवास,

3. सफल आवेदको को रियायती कैंटीन भोजन, तीन टेलीफोन, 25,000 यूनिट बिजली, 4000 किलोलीटर पानी मुफ्त मिलेगा

4. सफल आवेदको को प्रति वर्ष 34 मुफ्त हवाई यात्रा, मुफ्त पेट्रोल, असीमित फर्स्ट एसी ट्रेन यात्रा और न्यूनतम आजीवन पेंशन रु 200000 एवम् अतिरिक्त कार्यकाल सेवा हेतु रु. 15,000 प्रति वर्ष दिया जाएगा।

आवेदन करने के लिए जल्द आवेदन फार्म जमा करे कही आवेदन की अंतिम तिथि निकल ना जाए। अविश्वसनीय अवसर के साथ ख्याति, आनन्द और पैसा पैसा एकत्र करने के लिए अभी आवेदन करें!

सीएए के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। सीएए में बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से धार्मिक आधार पर प्रताड़ित होकर भारत आने वाले शरणार्थियों को भारत की नागरिकता देने का प्रावधान है। इन तीन देशों से 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, पारसी, जैन और ईसाई वर्ग के लोगों को नागरिकता दी जाएगी। इस कानून से मुस्लिम वर्ग को बाहर रखा गया है, जिसके चलते इस कानून का विरोध हो रहा है।

केरल सरकार ने सीएए के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। केरल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर नागरिकता संशोधन कानून 2019 और नागरिकता संशोधन नियम 2024 को लागू करने से रोक की मांग की है।

केरल सरकार ने सीएए पर रोक की मांग करते हुए तर्क दिया है कि सीएए कानून को लागू करने में चार वर्षों की देरी हुई है, इसका मतलब ये है कि इस कानून को लागू करने की तुरंत आवश्यकता नहीं है और इस आधार पर ही सीएए पर रोक लगाई जा सकती है।

सीएए के खिलाफ केरल की इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग पार्टी और एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने भी याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट सीएए के खिलाफ दायर याचिकाओं पर 19 मार्च को सुनवाई के लिए सहमत हो गया है। याचिकाओं में आरोप लगाया गया है कि सीएए कानून असंवैधानिक है और यह धर्म पर आधारित है।

याचिकाओं में ये भी कहा गया है कि नागरिकता संशोधन कानून असम समझौते, 1985 का भी उल्लंघन है। सीएए के खिलाफ याचिका दायर करने वालों में डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया भी शामिल है, जिसने अपनी याचिका में कहा है कि यह पहली बार है, जब भारतीय नागरिकता देने के लिए धर्म को आधार बनाया गया है। सीएए के खिलाफ 200 से ज्यादा याचिकाएं दायर हुई हैं।

नागरिकता संशोधन कानून को दिसंबर 2019 में संसद से मंजूरी मिली थी और बीते दिनों सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर सीएए को पूरे देश में लागू कर दिया है। सीएए में बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से धार्मिक आधार पर प्रताड़ित होकर भारत आने वाले शरणार्थियों को भारत की नागरिकता देने का प्रावधान है। इन तीन देशों से 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, पारसी, जैन और ईसाई वर्ग के लोगों को नागरिकता दी जाएगी। इस कानून से मुस्लिम वर्ग को बाहर रखा गया है, जिसके चलते इस कानून का विरोध हो रहा है।

गायत्री मन्त्र व्याख्या

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो-देवस्य धीमहि धियो योनः प्रचोदयात ।।

गायत्री मन्त्र में चौबीस अक्षर हैं। मन्त्र के शब्दों का चयन मनोहारी एवं वैज्ञानिक ढंग से किया गया है।

मन्त्र का अर्थ

(म) अक्षर का अर्थ मनन चिन्तन ध्यान है, किसका चिन्तन?

(न) नारायण प्रभु ईश्वर का वाच है।

(त्र) चिन्तन ध्यान का फल है, रक्षा, दुःखों से छुटकारा माया से मुक्ति, अर्थात्मोक्ष से है।

₹गायत्री एक षडाङ्ग योग साधना₹ है। षडाङ्ग योग के छः अंग हैं ये मोक्ष धाम तक पहुँचने के लिये सोपान सीढ़ियों है।

प्रथम सोपान भूः सुविचार भूः पद परमात्मा का वाचक है, जिसका अर्थ सद्विचार से है। परमात्मा स्वयम्भूः है। तीनों कालों में एक रस है, त्रिकालाबाधित सत्य है। द्वितीय सोपान भुवः उपरतिः भुवः पद भगवान्का वाचक है, इसका अर्थ है संसार को उत्पन्न करने वाला है। तृतीय सोपान स्वः का अर्थ है मुमुक्षता परमात्मा स्वः है, आनन्द स्वरूप है। चतुर्थ सोपान तत सवितुर्वरेण्यम् गायत्री का यह प्रथम पाद है। द्वितीय भर्गोदेवस्य धीमहि, तृतीय धियो यो नः प्रचोदयात। गायत्री के यह तीन पाद हैं। जो अन्तरंग योग में आते हैं। अन्तरंग योग में चारण, ध्यान और समाधि सम्मिलित हैं। तत शब्द ब्रह्म का बोधक है। परम तत्त्व ही तत है। सवितुः त्र का अर्थ - तत शब्द के बाद सवितुः आता है। यह पद गायत्री मन्त्र का प्राण है। सवितुः का अर्थ है रचनाकार, जो संसार की रचना करता है। चन्द्रमा सविता है प्राण सविता है, विद्युत सचिता है। चन्द्रमा शान्ति व रस का प्रतीक है। सविता का अर्थ सूर्य भी है, यह सूर्य का समानार्थी भी है। वरेण्यम् पद का अर्थ - वरण शब्द का अर्थ है चुनना, छांटना, प्रार्थना करना, याचना करना, उपासना करना. तत का अर्थ - वह, सवितुः का अर्थ - सृष्टि को उत्पन करने वाला. वरेण्यम्का अर्थ - वरण करने योग्य, इस पद के बिना मन्त्र अधूरा रहता है। पञ्चम सोपान ध्यान - भर्गो देवस्य धीमहि गायत्री मन्त्र का दूसरा पाद है। भर्गः शब्द का अर्थ गायत्री ही गर्भ कहलाती है और तेज ही गायत्रो है। भर्ग शब्द का अर्थ भगवान का अपना स्वरूप, पापों, विकारों, दोषों एवं अविद्या से उत्पत्र क्लेशों को दूर करने वाला है। भुज धातु का अर्थ जला देना। प्रकाशित स्वरूप ही भर्ग है। 'भ' का अर्थ है भस्म करना 'र' का अर्थ है प्रकाशित करना 'ग' का अर्थ है पकाना। 'धीमहि' शब्द का अर्थ ध्यान करना, चिन्तन करना धारण करना।' ध्यै' धातु से धीमहि बनता है, अतः ईश्वर के रूप का ध्यान करना चाहिये। राग का शमन हो जाना और मन का विषयों से अलग हो जाना ही ध्यान है। षष्ट सोपान अन्तिम सोपान - 'धियो योनः प्रचोदयात' धियो शब्द का अर्थ - 'धियो धरण वत्यो बुधयः' जो धारण करने वाली हो उसे धियः कहते हैं। जो सत्य को धारण करे वही सर्वोत्कृष्ट बुद्धि है। 'नः' शब्द का अर्थ - गायत्री मन्त्र में नः शब्द का अर्थ हमारा या हमारी, मैं, मेरा कल्याण का सूचक है। विश्व के मानव मात्र के कल्याण हेतु। प्रचोदयात्शब्द का अर्थ - गायत्री मन्त्र में प्रचोदयात शब्द बड़ा ही महत्व पूर्ण है इसका अर्थ है प्रेरणा करना, आगे बढ़ना (प्र) शब्द का अर्थ है प्रकृष्ट, सर्वोत्तम सर्वश्रेष्ठ चोदयात का अर्थ है- जोड़ना, संयुक्त करना, प्रेरणा देकर आगे बढ़ाकर मिलाना। प्रचोदयात का अर्थ महान बड़ा से जोड़ देने वाला।

- ॐ प्रणव है।
- भूः ₹सुविचार₹ परम तत्व है, मंजिल है, विश्राम है।
- भुवः ₹वैराग्य₹ स्थल है मानव मात्र का।
- स्वः ₹मुमुक्षता₹ ओंकार सभी मन्त्रों का सेतु है।
- तत्सवितुर्वरेण्यम्-₹धारणो₹ अकार-स्थूल संसार का सम्पर्क।
- भर्गोदेवस्य धीमहिः ₹ध्यान₹ उकार-सूक्ष्म संसार से सम्पर्क।
- धियो योनः प्रचोदयात ₹समाधि₹ मकार कारण जगत से सम्बन्ध।

यही अविनाशी ॐ कार ही तो परम सत्य है।।।।। इति गायत्रीमन्त्रार्थः ।।

नोट : अपने आध्यात्मिक गुरु की आज्ञा, उनके मार्गदर्शन के बिना गायत्री मंत्र का जप ना करें.... कुछ नियम हैं इस मंत्र को जप करने के जिनके बिना जप करना अनुचित हो सकता है।

जन आक्रोश महासभा

रोहिणी दिल्ली में स्थित बाबा साहेब डा भीमराव अम्बेडकर हस्पताल एंव मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाली छात्राओं के साथ वहाँ पर कार्यरत मुस्लिम प्रोफ़ेसर के द्वारा शारीरिक शोषण एंव धमकी देने का घृणित कार्य किया गया है । सर्व समाज में इस घृणित कार्य के प्रति रोष व आक्रोश व्याप्त है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर मेडिकल कॉलेज की शोषित छात्राओं को न्याय दिलाने और समाज में जागरूकता के निमित्त सर्व हिंदू समाज के द्वारा दिनाँक 18 मार्च 2024 दिन सोमवार को एक विशाल जन आक्रोश महासभा का आयोजन बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर मेडिकल कॉलेज के 2 नंबर गेट के बाहर किया जा रहा है ।इस जन आक्रोश महासभा में उत्तरी दिल्ली क्षेत्र के सर्व समाज एंव सभी सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक, छात्र एंव महिला संगठनों की सहभागिता रहेगी ।

दिनांक – 18 मार्च 2024
समय – सुबह 10 :00 बजे
स्थान – गेट नंबर 2, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर मेडिकल कॉलेज , रोहिणी
निवेदक : महिला न्याय समिति

भारत में इन जगाहों पर खेली जाती है विश्व प्रसिद्ध होली, देखते ही बनती हैं यहां की रौनक'

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। मथुरा की होली- मथुरा की होली विश्व प्रसिद्ध है. इसको देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं. मथुरा-वृंदावन की होली पूरे एक सप्ताह तक चलती है. मथुरा, वृंदावन, गोकुल और बरसना समेत पूरे ब्रज धाम में रंगों का यह त्योहार बहुत जश्न के साथ मनाया जाता है. साल 2024 में 17 मार्च से होली की शुरूआत हो जाएगी और 25 मार्च तक चलेगी. बरसाना की होली- बरसाने की होली बहुत मश्हूर है. इसे दुनियाभर में लट्ठमार होली के नाम से जानते हैं. लट्ठमार होली को राधा-कृष्ण के प्रेम का प्रतीक माना जाता है. इसे देखने और मनाने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं. 18 मार्च 2024 दिन सोमवार को बरसाना की मुख्य लट्ठमार होली खेली जाएगी. इंदौर की होली- इंदौर की होली भी देखने के लिए विश्वभर से लोग आते हैं. यहां रंगपंचमी वाले दिन होली खेली जाती है. रंगपंचमी एकादशी के दिन पड़ती है. इस होली को देवताओं की होली भी कहा जाता है. यहां होली का पर्व पांच दिन बाद मनाया जाता है. हम्पी की होली दक्षिण भारत की होली में हम्पी का नाम आता है. कर्नाटक के हम्पी की होली विश्व प्रसिद्ध है. इस होली को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं।

मोटापा/बढ़ते वजन को नियंत्रित रखने का आसान, सुरक्षित और विश्वसनीय तरीका.... जाने

वजन कंट्रोल करने के लिए इस हिसाब से खाया गया खाना ही कर सकता है कंट्रोल"

मोटापा आपकी बॉडी को बेडौल बनाता ही है, इसके साथ ही ये कई गंभीर बीमारियों को दावत देता है, इसलिए वक्त रहते वेट कंट्रोल करना बेहद जरूरी रहता है. वहीं आजकल दुनियाभर में बड़ों से लेकर बच्चे भी मोटापे की जद में आ रहे हैं. वेट कंट्रोल करने के लिए लोग न जाने कितने तरह के नुस्खे भी आजमाते हैं, जिसका रिजल्ट कई बार जीरो निकलता है.

अगर आप भी बढ़ते वजन से परेशान हैं और अलग-अलग तरीके आजमाकर परेशान हो चुके हैं तो जान लीजिए कि न सिर्फ हेल्दी फूड बल्कि टाइम के हिसाब से खाया गया खाना ही वेट कंट्रोल कर सकता है.अगर जल्दी और हेल्दी तरीके से वेट लॉस करना है तो खाने पीने की चीजें न्यूट्रिशन रिच होने के साथ ही टाइम से खाना भी जरूरी है. तो चलिए जानते हैं कैसा रहना चाहिए वेट कंट्रोल डाइट प्लान.हाइड्रेटिंग है सबसे जरूरीवेट लॉस के लिए सबसे जरूरी है कि बॉडी हाइड्रेट रहनी चाहिए. इसके लिए अपनी सुबह की शुरुआत किसी डिटॉक्स ड्रिंक से कर सकते हैं. इसके बाद पूरे हफ्ते सुबह 9 से लेकर रात के 9 बजे तक यानी कम से कम 12 घंटों में 2.5 से 3 लीटर पीने का गोल सेट करें.ऐसे सेट करें डाइट गोलवेट लॉस के लिए पहले दिन ब्रेकफास्ट 8 से 9 बजे के बीच कर लें. जिसमें दही, दलिया, ओट्स, स्प्राउट्स, नट्स, ग्रीन टी जैसी चीजें शामिल करें. वहीं मिड स्नैक्स में सलाद और फल खाएं, लेकिन ध्यान रखें कि इसमें नमक यूज न करें, दोपहर में 1 से 2 के बीच लंच खाएं और इसमें दाल, मिक्स वेज, रोटी और प्रोटीन रिच फूड्स लें. रात को 7 से 8 के बीच यानी डिनर में सलाद और लाइट वेट खाना खाएं. इसके बाद एक कप कैमोमाइल टी ले सकते हैं

.ये चीजें करें अवॉइडहेल्दी डाइट प्लान फॉलो करने के साथ ही ध्यान रखें कि मार्केट से मिलने वाले फ्रूट जूस और एनर्जी ड्रिंक्स न लें. इसके अलावा अनहेल्दी ईटिंग बिल्कुल भी न करें. कैफीन के सेवन को सीमित करें और ज्यादा नमक ज्यादा चीनी वाली चीजें न लें. खानपान के अलावा लेट नाइट तक जागना भी अवॉइड करें, क्योंकि देर रात तक जागने का असर आपके मेटाबॉलिज्म पर भी पड़ता है, जिससे वेट गेन हो सकता है.

वर्कआउट और डाइट का कॉम्बिनेशन है जरूरीजितना जरूरी है कि आप वेट लॉस के लिए सही डाइट प्लान फॉलो करें, उतना ही जरूरी है कि फिजिकल एक्टिविटी पर ध्यान दिया जाए. इसलिए डेली रुटीन में रोजाना 30 से 40 मिनट वर्कआउट या फिर योगा के लिए जरूर निकालें, क्योंकि डाइट और फिजिकल एक्टिविटी के सही कॉम्बिनेशन से ही वेट को मैनेज किया जा सकता है.

मध्य प्रदेश के इन ऐतिहासिक स्थलों को मिली विश्व स्तर पर पहिचान, यूनेस्को ने किया अपनी अस्थायी सूची में शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के लिए यह गौरव का क्षण है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन यूनेस्को द्वारा मध्य प्रदेश के छह स्मारकों को अपनी अस्थायी सूची में शामिल किया है। यूनेस्को के विश्व हेरिटेज सेंटर द्वारा छह धरोहरों को अपनी सूची में शामिल करने पर मध्य प्रदेश का शासन एवं प्रशासन खुद को गौरवान्वित कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तो प्रदेशवासियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई भी दी है। यूनेस्को के विश्व हेरिटेज सेंटर द्वारा मध्य प्रदेश के मंडला का गौंडा स्मारक, ग्वालियार किला, धमनार का ऐतिहासिक समूह, भोजेश्वर महादेव मंदिर, चंबल घाटी के रॉक कला स्थल, खूनी भंडारा बुरहानपुर को शामिल किया है। इन छहों दर्शनीय स्थलों को यूनेस्को द्वारा और भी आकर्षक एवं मनोरंजक बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा मध्य प्रदेश की महान सभ्यता एवं संस्कृति अब विश्व स्तर पर अपनी पहिचान बनाने का कार्य कर रही है। इसके लिए प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं और बधाई। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव के सथि मध्य प्रदेश के टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक का कार्यभार संभाल रहे शिव शेखर शुक्ला ने पूरी जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रदेश के लिए गौरव की बात है जो यूनेस्को ने हमारी छह धरोहरों एवं एवं ऐतिहासिक स्थलों को अपनी सूची में शामिल किया है। अन्य स्थलों को भी शामिल कराने के लिए प्रयास चल रहे हैं। इसके लिए बोर्ड द्वारा मुख्यमंत्री जी के निर्देशन में कार्य चल रहा था। इससे पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। ग्वालियर किलाः ग्वालियर में अपनी अभेद्य सुरक्षा के लिए जाना जाता है। छठी शताब्दी राजपूत राजाओं द्वारा बनाया गया यह किला वास्तुकला एवं स्थापत्य कला का बेजोड़ उदाहरण है। राजा मानसिंह ने किले में काफी दर्शनीय स्थलों का निर्माण कराया था। धमनार ऐतिहासिक समूहः मंदसौर जिले में धमनार की गुफाएं मौजूद हैं। सातवीं सदी में बनी गुफाओं को चट्टानों को काटकर बनाया गया है। जिसमें स्तूप, चैत्य, आवास के साथ मार्ग भी है। भोजेश्वर महादेव मंदिरः भगवान शिव को समर्पित भोजेश्वर महादेव मंदिर राजधानी भोपाल से 30 किमी दूर मौजूद है। एक ही पत्थर से विशालकाय शिवलिंग का निर्माण किया गया है। इसकी अद्भुत वास्तुकला के चलते ही इससे पूर्व का सोमनाथ भी कहा जाता है। राजा भोज द्वारा इसका निर्माण किया गया था। चंबल घाटी के रॉक कला स्थलः अपनी अद्भुत कारीगरी के लिए प्रसिद्ध है। खूनी भंडाराः 407 पहले बुरहानपुर में खूनी भंडारा या फिर कुडी भंडारा बनाया गया था। यह एक अनोखी एवं अद्भुत अल आपूर्ति प्रणाली है तो बरबस पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023